



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल रेसलर अमन सहरावत ने देश को दिलाया गोल्ड ...

@ साहित्य केसरी श्राद्ध का तर्पण...

@ व्यापार भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत...

@vishwakesariTV

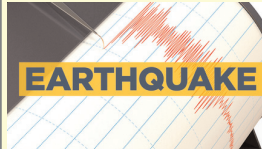
@vishwakesari

vishwa kesari_official

@VishwaKesari

स्वबर झरोखा

महाराष्ट्र के हिंगोली में दो बार महसूस किए गए भूकंप के झटके



हिंगोली। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में शनिवार को दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह करीब 7:46 बजे रिक्टर स्केल पर 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के गढाला गांव के बाहरी इलाके में लगभग 7 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

कर्नाटक में सूखा, खड़गो ने केंद्र से मांगी मदद



नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को बताया कि उन्होंने कर्नाटक में 'गंभीर' सूखे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है और उनसे इस मामले में व्यक्तिगत और तत्काल दखल देने का आग्रह किया है। 1 अक्टूबर को लिखा गया पत्र शनिवार को 'एक्स' पर साझा करते हुए खड़गे ने कहा, 'राज्य हाल के वर्षों में सबसे गंभीर सूखे की स्थितियों में से एक का सामना कर रहा है।

निवेश के लिए वैश्विक मंच पर छत्तीसगढ़

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा सिंग फोरम के लिए छत्तीसगढ़ का चयन



संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य में निवेश की नई संभावनाओं को विस्तार देने के उद्देश्य से आज सिंगपुर पहुंचे। सिंगपुर पहुंचने पर भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मुख्यमंत्री साय का आत्मीय स्वागत किया।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रथम SING फोरम 2026 में सहभागिता के लिए

छत्तीसगढ़ को नमित किया गया है। सिंगपुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ को अपनी उपलब्धियों, विकास की अपार संभावनाओं और निवेश के आकर्षक अवसरों को वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलागा।

मुख्यमंत्री साय SING फोरम 2026 में छत्तीसगढ़ की ओर से सहभागिता करेंगे। फोरम के दौरान

राज्य सरकार का दृढ़ प्रयास है कि नई औद्योगिक नीति, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, सुदृढ़ अधोसंरचना, कुशल मानव संसाधन तथा उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित किया जाए

प्राकृतिक संसाधन, सुदृढ़ अधोसंरचना, कुशल मानव संसाधन तथा उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक निवेश मानचित्र पर छत्तीसगढ़ की मजबूत पहचान बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री साय की SING फोरम 2026 में सहभागिता वैश्विक निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ की विकास संभावनाओं और निवेश अवसरों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी।

कांग्रेस ने हमेशा नकारात्मक राजनीति की है: अमित शाह

एजेंसी ■ भोपाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश को कई सौगात देते हुए कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तो हमेशा नकारात्मक राजनीति की है।

राजधानी भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित गोपालक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि जब से देश आजाद हुआ है तभी से कृषि और ग्रामीण व्यवस्था से जुड़े लोगों की मांग थी कि भारत सरकार एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय बनाए, लेकिन कांग्रेसियों ने 75 साल तक स्वतंत्र मंत्रालय नहीं बनने दिया। नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री आए, जिन्होंने अलग से सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की और इस मंत्रालय के बतने का सबसे बड़ा फायदा गोपालक को होने वाला है।

दूध संग्रहण के कार्य में बिचौलियों की भूमिका का जिक्र करते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि गोपालक खुले बाजार में अगर दूध बेचता है तो शोषण होता है, 35 रुपए प्रति लीटर उसका दूध बिचौलिया ले जाते हैं और मलाई बिचौलिया खाते हैं। अगर कोऑपरेटिव व्यवस्था में दूध बेचेंगे



तो 35 की जगह 55 रुपए मिलने की शुरुआत हो जाएगी। उन्होंने उज्जैन में 255 करोड़ की लागत के दूध प्रोसेस संयंत्र का भूमि पूजन किया। भोपाल में संयंत्र प्रयोगशाला और शिवपुरी में मिनी डेरी प्लांट की सौगात दी। इसके साथ ही पशुपालकों को 12 करोड़ का बोनस वितरित किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेसी अलग-अलग मुद्दों पर हमारा विरोध करते हैं, हम उन्हें हिसाब देने आए हैं। 2014-15 में देश में दूध का उत्पादन 14 करोड़ 60 लाख टन पहुंचा था, और प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल में 14 करोड़ से 25 करोड़ टन तक पहुंचाने का काम किया है।

यह इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार जो करती है वह लगन से करती है, पशुपालक के भले के लिए काम करती है। उन्होंने दुग्ध उत्पादन क्षमता का जिक्र करते हुए कहा कि भारत दुनिया भर में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश है। पहले पांच राज्य उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र हैं, यह सभी पांचों राज्य भाजपा शासित हैं, कांग्रेस की नो एंट्री है, क्योंकि उनके राज्य में कभी भी पशुपालकों को भलाई का काम नहीं होता, रैलियां निकालना और विरोध और नकारात्मकता फैलाने तक ही उनका काम है।

कैप्टन स्मित मच्छर से मिले दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान



एजेंसी ■ अबु धाबी

दुबई के क्राउन प्रिंस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री हमदान बिन मोहम्मद ने शनिवार को फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के बहादुर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से अस्पताल में मुलाकात की और उनके साहस की सराहना की।

हमदान बिन मोहम्मद ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कैप्टन

स्मित मच्छर से मुलाकात की... फ्लाईदुबई के इस पायलट ने साहस, जिम्मेदारी और मानव जीवन के प्रति चिंता की सर्वोच्च मिसाल पेश की। हमारी ओर से और देश के नेतृत्व की ओर से उन्हें पूरा सम्मान और प्रशंसा। हमें गर्व है कि वह हमारी टीम का हिस्सा हैं, हमारे देश की कहानी का हिस्सा हैं और यूएई की पहचान का हिस्सा हैं.. एक ऐसे देश की, जो करुणा, शांति और जीवन को महत्व देता है।

ड्रोन वायुसेना के लिए विकासवादी बदलाव: एपी सिंह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि ड्रोन भारतीय वायुसेना के लिए कोई क्रांतिकारी बदलाव नहीं हैं, बल्कि यह क्षमताओं के विकास की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। उन्होंने लोइटरिंग एम्बुशन के लिए अलग ड्रोन फोर्स बनाने की जरूरत से भी इनकार किया।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि लोइटरिंग एम्बुशन का इस्तेमाल दुश्मन के बीच भ्रम पैदा करने और कुछ लक्ष्यों को निशाना बनाने में मदद करता है। हालांकि, भारतीय वायुसेना में ड्रोन से जुड़ी क्षमताएं दशकों से मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, जहाँ तक अलग ड्रोन फोर्स की बात है, भारतीय वायुसेना में ये चीजें दशकों से मौजूद हैं। ये क्षमताएं हमारे पास दशकों से



हैं। इसलिए मैं कह सकता हूँ कि ड्रोन भारतीय वायुसेना के लिए क्रांतिकारी नहीं हैं। हां, ये विकासवादी बदलाव जरूर हैं। एयर फोर्स डे से पहले मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि वायुसेना में ड्रोन की संख्या, म्युनिशन और ड्रोन तथा हथियारों के प्रकार लगातार बढ़ रहे

हैं। हालांकि, अलग ड्रोन फोर्स बनाने की जरूरत पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमें अलग ड्रोन फोर्स की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ड्रोन को मौजूदा सैन्य ढांचे का हिस्सा बनाकर अन्य हथियार प्रणालियों के साथ मिलकर संचालित किया जाना चाहिए।

पाकिस्तान पस्त, भारत का स्वर्ण



भारत 212 रन पाकिस्तान 193 रन जीत 119 रन

एजेंसी ■ निशिन

टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराते हुए एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर भारत से मिले 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करते

हुए पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 192 रन ही बना सकी। भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

साहिबजादा फरहान बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 11 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुए। उस्मान खान को भी सिर्फ 3 रनों के स्कोर पर अक्षर पटेल ने पवेलियन भेजा। माज सदाकत अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 18 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए।

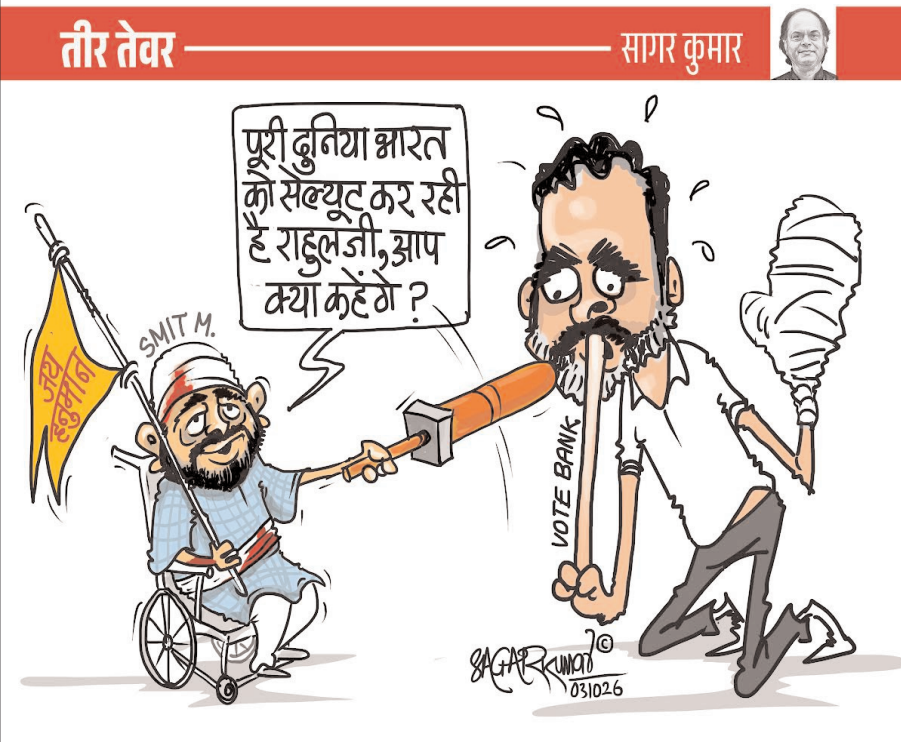
39 के स्कोर पर 3 विकेट खोकर मुश्किल में नजर आ रही पाकिस्तान की पारी को हसन नवाज और सैम अयूब ने संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 87 रनों की साझेदारी निभाई। अयूब 29 रन बनाने के बाद शिवम दुबे का शिकार बने। हालांकि, हसन ने एक छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और तेज तर्रार अंदाज में अर्धशतक पूरा किया। हसन नवाज ने 51 गेंदों में 96 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वह पाकिस्तान को जीत नहीं दिला सके।

एशियाड में भारत को 21 गोल्ड, दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कुल 85 मेडल, टैली में चौथा स्थान

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	167	89	82	338
2	जापान	82	90	90	262
3	साउथ कोरिया	37	43	67	147
4	भारत	21	27	37	85

भारत ने एशियन गेम्स में 21वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5-1 से हराया। शनिवार को भारत ने मेंस क्रिकेट, आर्चरी, गोल्फ और कुश्ती में भी 1-1 गोल्ड जीता। भारत अब 21 गोल्ड सहित

कुल 85 मेडल के साथ टैली में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत इस बार 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते। यह एशियाड में भारत का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीते थे।



एशिया कप विजेता गीता यादव से मिले उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा

विश्व केसरी■
रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने अपने कवर्धा निवास कार्यालय में जूनियर महिला एशिया कप-2026 की विजेता भारतीय हॉकी टीम की सदस्य गीता यादव से मुलाकात कर उन्हें महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि आगे भी सफलता के नए कीर्तिमान प्राप्त करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कवर्धा की बेटी ने देश-प्रदेश का मान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। इस दौरान श्री शर्मा ने गीता से उनकी अब तक की खेल यात्रा, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अनुभव, प्रशिक्षण और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बातचीत की।

कबीरधाम जिले के बोड़ला की रहने वाली गीता यादव ने चीन के मोकी में



आयोजित एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप-2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय टीम ने 13 सितंबर को खेले गए रोमांचक फाइनल में मेजबान चीन को 1-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

टूर्नामेंट में मिडफील्डर के रूप में खेलीं गीता ने अपनी प्रतिभा की विशेष छाप छोड़ी। उन्होंने प्रतियोगिता में कुल चार गोल किए। मलेशिया के विरुद्ध भारत की 11-1 की बड़ी जीत में गीता ने दो गोल दागे, वहीं जापान के खिलाफ 7-0 की जीत में भी उन्होंने दो गोल कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गीता की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि एक सामान्य किसान परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। गीता ने अपनी प्रतिभा से कवर्धा के साथ पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। उनकी सफलता क्षेत्र की नई पीढ़ी, विशेषकर खेलों में आगे बढ़ने का सपना देख रही बेटियों के लिए प्रेरणादायी है।

रायपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी का अपहरण स्कॉर्पियो में जबरन ले गए तीन व्यक्ति

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना खमतराई थाना क्षेत्र के डीएम टावर के पास की बताई जा रही है, जहां काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार तीन लोग ट्रांसपोर्ट कारोबारी प्रतीक राय को जबरन अपने साथ ले गए। घटना के बाद से कारोबारी का मोबाइल फोन बंद है।

मिली जानकारी के मुताबिक, घटना 2 अक्टूबर की दोपहर करीब 2:28 बजे की है। प्रतीक राय घर से खाना खाने के लिए डीएम टावर के पास पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें बातचीत के बहाने नीचे बुलाया। नीचे पहुंचने के बाद उन्हें जबरन काले रंग की स्कॉर्पियो में बैठाकर वहां से ले जाया गया।



यूपी पासिंग है स्कॉर्पियो का नंबर

घटना के बाद जब प्रतीक राय से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल बंद मिला। इसके बाद उनकी पत्नी अनिता राय ने खमतराई थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्कॉर्पियो के नंबर UP 32 RR 7454 को जांच का अहम आधार बनाया है। बताया जा रहा है कि कॉलोनी के एक युवक ने तीन

संदिग्धों में से दो के मोबाइल नंबर पुलिस को बताए हैं। पुलिस इन नंबरों और वाहन की जानकारी के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।
सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस
खमतराई पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों और कारोबारी की तलाश में जुटी है।

छत्तीसगढ़ी सिने जगत अभिनेता प्रकाश अवस्थी संग नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं ने लगाए दुमके

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत के मशहूर अभिनेता प्रकाश अवस्थी महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के आयोजित फ्रेशर पार्टी में पहुंचे और नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं के साथ जमकर दुमके लगाए वहीं रीमिक्स पर डांस करते हुए छात्राओं ने अभिनेता के साथ सेल्फी ली आनंद और मस्ती भरे इस कार्यक्रम में नृत्य की ऐसी महफिल जमी की नए पुराने सभी गानों पर सीनियर जूनियर और टीचर भी झुमते हुए दिखलाई पड़े बता दे कि महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर में नए प्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत में आज फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया था जिसमें मंच पर मौजूद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी संस्था के



अध्यक्ष अजय तिवारी डॉ किरण अग्रवाल सहित शिक्षकों की मौजूदगी रही कार्यक्रम के प्रारंभ में पहले तो छात्र-छात्राओं ने पाश्चात्य रीमिक्स पर 1 घंटे तक कड़ु धूप में जमकर डांस किया बीच में अतिथियों की मौजूदगी हुई इसमें अभिनेता प्रकाश अवस्थी ने छात्र-छात्राओं से संबोधन में माता-पिता के आदर्शों को पूरा करने की अपील की अपने सपनों को पूरा

करने की अपील की और अनुशासन के साथ शिक्षा हासिल करने का भी आह्वान किया वहीं संस्था के अध्यक्ष तिवारी ने भी दो शब्दों में बच्चों को आशीर्वाद दिया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने बच्चों की तारीफ की और उनके कार्यक्रम में मौजूदगी के एहसास को शब्दों में बोलते हुए कहा कि बच्चे सभी रंगों में सुंदर लगते हैं।



पूरे दिन शिविर में गहमगहमी बनी रही। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और मांगें अधिकारियों के सामने रखीं, वहीं विभागों ने शासन की योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया।

सर्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ उनका बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने शिवनंदनपुर के इस स्थल को पार्क के रूप में विकसित करने की संशा जताई। इससे स्थानीय नागरिकों को हरियाली के बीच एक व्यवस्थित सांस्कृतिक स्थान उपलब्ध हो सकेगा और नगर की सुंदरता भी बढ़ेगी।

विभागों के स्टॉल पर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई। सेवा सेतु शिविर ने यह संदेश भी दिया कि शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने के लिए प्रशासन अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि गांवों तक पहुंचकर सीधे संवाद कर रहा है।

'गारंटी का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना लक्ष्य': रोहित साहू

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू ने कहा कि सेवा सेतु केवल शिविर नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच सीधे संवाद और समाधान का माध्यम है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार जनता से किए गए वादों और गारंटियों को धरातल पर उतारने का काम कर रही है।

डॉक्टरों के स्टाइपेंड में वृद्धि का वायरल आदेश फर्जी, चिकित्सा शिक्षा विभाग ने किया खंडन



विश्व केसरी■
रायपुर। सोशल मीडिया पर डॉक्टरों के स्टाइपेंड एवं मानदेय-वेतन में वृद्धि संबंधी प्रसारित कथित आदेश का छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा विभाग ने खंडन किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह दस्तावेज पूर्णतः भ्रामक, फर्जी और कुत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से तैयार किया गया है। इसे वास्तविक शासकीय आदेश न माना जाए।

सोशल मीडिया पर प्रसारित इस कथित दस्तावेज में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत

सेवा संकल्प में झाड़ू थामकर उतरीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, श्रमदान से जगाई स्वच्छता की अलख

विश्व केसरी■
रायपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत सूरजपुर जिला के नगर पंचायत शिवनंदनपुर में जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आंबेडकर चौक के समीप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में झाड़ू लगाकर और खरपतवार हटाकर श्रमदान किया। उन्होंने स्वच्छता दीर्घियों, स्थानीय महिलाओं और नागरिकों के साथ सफाई में भाग लेकर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया।

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और नागरिकों ने मिलकर मंदिर परिसर को साफ-



सफाई की। इस दौरान लोगों को अपने आसपास और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि सेवा और स्वच्छता के कार्यों में जनभागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। सामूहिक प्रयासों से

सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के तहत ‘कोडउत्सव 10.0’ का शुभारंभ

विश्व केसरी■
रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के ट्यूरिंग क्लब ऑफ प्रोग्रामर्स (टीसीपी) द्वारा आयोजित दो दिवसीय कोडिंग हैकार्थन 'कोडउत्सव 10.0' का आज शुभारंभ हुआ। जिला प्रशासन रायपुर के 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' के तहत आयोजित इस 28 घंटे की हैकार्थन में देशभर के विभिन्न तकनीकी संस्थानों की 41 टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, व्यावहारिक समस्या-समाधान, टीमवर्क और तकनीकी कौशल को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के प्रभारी निदेशक डॉ. समीर बाजपेयी मुख्य अतिथि के रूप में



उपस्थित रहे। निको ग्रुप के प्रमुख कुमार संभव नामदेव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांकर पांडेय तथा कंप्यूटर साईंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप सिसोदिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। हैकार्थन का आयोजन ट्यूरिंग क्लब ऑफ प्रोग्रामर्स के फैकल्टी इन-चार्ज डॉ. पवन कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

इस अवसर पर डॉ. दिलीप

सिसोदिया ने कहा कि 'कोडउत्सव' में प्रतिभागियों के सामने रखी जाने वाली चुनौतीपूर्ण समस्याएं उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में समस्या-समाधान के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीकी और औद्योगिक परिवर्तन में कर्पनियां केवल सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यावहारिक समस्या-समाधान क्षमता को भी महत्वपूर्ण मानती हैं।

टीम कैट ने विधायक पुरंदर मिश्रा से की मुलाकात जन्मदिवस की दी बधाई एवं शुभकामनाएं



विश्व केसरी■
रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमैन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन,

राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन के नेतृत्व में कैट का एक प्रतिनिधि मंडल ने माननीय पुरंदर मिश्रा विधायक रायपुर उत्तर विधानसभा से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी साथ ही उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

CAIT के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने बताया कि कैट एवं युवा के पदाधिकारियों ने माननीय पुरंदर मिश्रा विधायक, रायपुर उत्तर विधानसभा से मुलाकात कर के उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि मिश्रा निरंतर क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए सक्रियता के साथ कार्य करते रहें हैं। कैट पदाधिकारियों एवं प्रदेश की सभी व्यापारियों की ओर से उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कैट के पदाधिकारी मुख्य रूप से जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन, अवनीत सिंह, वासु माखीजा, शंकर बजाज, जयराम कुकरेजा, अमित गुप्ता, एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा नेता अजय चंद्राकर के बिगड़े बोल, अधिकारी को कही गाड़ने की बात, कांग्रेस ने दी मानसिक चेकअप की सलाह



विश्व केसरी■
रायपुर। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के बिगड़े बोल एक बार फिर चर्चा में हैं। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अधिकारी के लिए अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता के बिगड़े बोल पर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अजय चंद्राकर एएस में जाकर मानसिक चेकअप कराए

और थोड़ा आराम करें। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर का जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें वे किसानों के बीच वे अधिकारी से धान की फसल के लिए बांध से पानी छोड़े जाने पर चर्चा में कह रहे हैं कि आपका ईर्ष कहता है कि ग्रामीण नेतागिरी कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिखता तो उसको गाड़ देता। वायरल वीडियो पर कांग्रेस

संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मंत्रिमंडल से बाहर रहने के बाद अजय चंद्राकर फ्रस्ट्रेटेड हो गए हैं। लगातार वह अभद्र भाषा का उपयोग करते हैं। बीजेपी के नेतृत्व को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। कई बार परिस्थितियां और मानसिक स्थिति सही नहीं रहती हैं। अजय चंद्राकर एएस में जाकर मानसिक चेकअप कराए और थोड़ा आराम करें।

	कारवेल नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन अ-2) :: राहिल त्याक रकुल भवन, काण्डोडी, रायपुर :: Email ID - mczone2@gmail.com पत्र क्र/ 35935.../ न. पा. नि. जिन के 2/2026 रायपुर, दिनांक 03-10-2026 इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 35935 वार्ड का नाम 14- रमाण मंदिर वार्ड एवंद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR221A00396 जो की निगम अधिलेख श्री /श्रीमती DINESH PITRODA पिता पति श्री श्रीमती MAGAN BHAI PITRODA के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्री पंकज चौहान पिता/पति श्री श्रीमती श्री डी. एच. चौहान ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र राशय पत्र, दान पत्र, हिवानामा, राजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेखा वंशावृक्षा अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा संस्था उपरोक्ता स्वामित्व परिवर्तन में हक या दाता रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित निर्धारित समयावधि मचात प्राप्त दावा आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह आवेदत किया है यदि कोई व्यक्ति लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे कायालय विगंधित नहीं होगा। सूचना जारी करे ' श्री संतोष पाण्डेय (जोन कांक्षर) (जोन (2)) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	--

	कारवेल नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन अ-2) :: राहिल त्याक रकुल भवन, काण्डोडी, रायपुर :: Email ID - mczone2@gmail.com पत्र क्र/ 35935.../ न. पा. नि. जिन के 2/2026 रायपुर, दिनांक 03-10-2026 इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 35936 वार्ड का नाम 14- रमाण मंदिर वार्ड एवंद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR221A00397 जो की निगम अधिलेख श्री श्रीमती HANSA DAMA JI CHAUHAN W/O LT DAMA JI CHAUHAN, RAJK-ISHORE, PANKAJ, NEETA PARMAR S/O, D/O LT DAMA JI CHAUHAN पिता पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्री पंकज चौहान पिता / पति श्री /श्रीमती श्री डी. एच. चौहान ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, राशय पत्र दान पत्र, हिलानामा, राजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत हकत्व लगन विलेख वंशावृक्रम अग अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदत किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दाता रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि मचात प्राप्त दावा आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए गड़ कायालय जिगंधित नहीं होगा। सूचना जारी करे ' श्री संतोष पाण्डेय (जोन कांक्षर) (जोन (2)) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
--	---

वरिष्ठजन सच्चे मार्गदर्शक, उनका सम्मान ही हमारा वास्तविक गौरव: राजस्व मंत्री वर्मा

विश्व केसरी ■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर शनिवार को नगर भवन बलौदाबाजार मे वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा सहित जनप्रतिनिधियों के द्वारा 180 वरिष्ठ नागरिकों को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि वरिष्ठजन समाज के सच्चे मार्गदर्शक हैं। उनका जीवन-अनुभव आने वाली पीढ़ियों के लिए सही दिशा तय करने का काम करता है। बुजुर्गों का आदर-सत्कार करना हमारी संस्कृति का मूल आधार है और उनका सम्मान करना ही हमारा वास्तविक गौरव है। इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए जिसमें वरिष्ठजनों का सम्मान हो।

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि वरिष्ठजनों ने अनुभव से हमें बहुत सीखने को मिलता है, आज के युवा पीढ़ी को वरिष्ठों का सम्मान करना चाहिए। वृद्धजन परिवार रूपी वृक्ष के जड़ हैं जिनकी मजबूती से परिवार फलता -फूलता है। वृद्धजन हमेशा बच्चों के भले की बात करते हैं, परिवार को एक साथ रखने में ताकत लगा देते हैं। आज संयुक्त परिवार एकल परिवार में बिखरता जा रहा है जिसे संजो कर रखने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल एवं कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने भी सम्बोधित किया।

खेलों में झलकी बचपन की उमंग-समारोह के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के लिए मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बुजुर्गों ने बच्चों की भाँति हिस्सा लिया। कैरम और शतरंज के खेल में अपने हाथ आजमाते हुए वरिष्ठ नागरिकों में गजब का उत्साह और बचपन की उमंग देखने को मिली। इस दौरान निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। इसके साथ ही 80 वर्ष से अधिक उम्र के नगरीको का निःशुल्क बस पास भी बनाया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ सनम जांगड़े, प्रमोद शर्मा, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन साहु,जनपद उपाध्यक्ष सुमन वर्मा,सीईओ जिला पंचायत सुदिव्या अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में वृद्धजन उपस्थित थे।



अनोखा विरोध, ना नेता आया ना मंत्री ग्रामीणों ने कुत्ते को सौंपा झापन

विश्व केसरी ■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। अभनपुर कुर्रा, रायपुर - ग्राम पंचायत कुर्रा, जनपद पंचायत अभनपुर में सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है। ग्रामीणों ने अनोखे तरीके से विरोध जताते हुए अपने मांग-पत्र को कुत्ते को सौंपा है। मामला वार्ड क्रमांक 04 का है। ग्रामीणों का कहना है कि वार्ड में सी.सी. रोड और अंडरग्राउंड नाली निर्माण नहीं होने से सड़क, जल निकासी, कीचड़ और बरसात में भारी परेशानी होती है।

बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत होती है। इसके लेकर कई बार ग्राम पंचायत और संबंधित अधिकारियों को आवेदन दिया गया, लेकिन आज तक स्वीकृति और कार्य शुरू नहीं हुआ। इसी से नाराज होकर ग्रामीणों ने पोस्टर जारी कर धरना प्रदर्शन किया। पोस्टर पर लिखा है - अब और नहीं चलेगा झुठ का वादा... शिक्षा भी चाहिए सड़क भी चाहिए... ना नेता आया ना मंत्री आया फिर भी ग्रामीणों ने कुत्ते को सौंपा अपना जापन!

ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि गांव का संपूर्ण विकास हो, बच्चों के लिए सुरक्षित पक्का रास्ता बने



राजिम विधायक कार्यालय में मनाई गई महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

विश्व केसरी ■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। विधायक रोहित साहू के निवास कार्यालय में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती अत्यंत श्रद्धा और उल्लास से मनाई गई।

इस अवसर पर विधायक रोहित साहू सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने दोनों महान विभूतियों के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया विधायक रोहित साहू ने बापू के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों तथा लाल बहादुर शास्त्री के ओजस्वी नारे जय जवान, जय किसान के मूल उद्देश्यों



महापौर रोहरा ने धमतरी जिला अस्पताल के लिए 38 करोड़ की मांग की

विश्व केसरी ■

धमतरी (राजशेखर नायर)। महापौर रामू रोहरा ने धमतरी के 220 बिस्तर जिला अस्पताल के नए भवन निर्माण के लिए 38 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने तथा अस्पताल का नामकरण गुरु घासीदास के नाम पर करने की मांग मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा एवं सांसद रूपकुमारी चौधरी से की है।

महापौर रामू रोहरा ने कहा कि धमतरी जिले की बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए सर्वसुविधायक एवं आधुनिक नए भवन की आवश्यकता है। 220 बिस्तर वाले जिला अस्पताल के नए भवन के निर्माण के लिए 38 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिलने से जिले के लोगों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।



प्राथमिक शाला गढ़पटनी में गांधी जयंती मनाई गई



विश्व केसरी ■

बसना (अशोक प्रधान)। बसना विकास विभाग के अंतर्गत प्राथमिक शाला गढ़पटनी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। सर्वप्रथम प्रधान पाठक सरविन्द सिंघाण एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने महात्मा गांधी जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने गांधी जी के जीवन, विचारों और उनके द्वारा

आध्यात्मिक ज्ञान संदेश यात्रा के दिव्य महोत्सव में शामिल हुए सेवक प्रथम रोहरा

विश्व केसरी ■

धमतरी (राजशेखर नायर)। आध्यात्मिक ज्ञान संदेश यात्रा के अंतर्गत आयोजित परम पूज्य संत प्रवर विज्ञान देव महाराज के 103वें वार्षिकोत्सव के दिव्य महोत्सव में सेवक प्रथम रोहरा ने शामिल होकर संतों एवं सद्गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी साधु-संतों एवं सद्गुरुओं को सादर प्रणाम कर उनके दर्शन किए तथा सनातन आध्यात्मिक परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संतों और सद्गुरुओं का सेवक जीवन है। सकारात्मक ऊर्जा, संस्कार और आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

उल्लेखनीय है कि अनंत सद्गुरु सदाफल देव महाराज द्वारा वर्ष 1924 में



वन विभाग के आदेश के बाद भी नहीं सुलझा बीट बंटवारे का विवाद, 8 को चक्का जाम

विश्व केसरी ■

नगरी (हिमांशु यादव)। ग्राम कोहाबाहरा में बीट कक्ष क्रमांक के अनुसार बीट बंटवारे को लेकर चल रहा विवाद अब सड़क तक पहुंचने वाला है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि मामले में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगने और वन विभाग के प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं वनमंडलाधिकारी के आदेश के बावजूद अब तक समस्या का समुचित निराकरण नहीं हुआ है। इससे नाराज ग्रामीणों ने 8 अक्टूबर को गढ़ासिल्ली के शहीद वीर नारायण सिंह चौक पर चक्का जाम करने की चेतावनी दी है।

ग्रामीणों की ओर से 1 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक धमतरी, वनमंडलाधिकारी धमतरी, एसडीएम नगरी और थाना प्रभारी दुगली को आवेदन सौंपकर चक्का जाम एवं विरोध प्रदर्शन



‘साइबर जागृति चौपाल’ से गांव-गांव में जागरूकता की अलख



विश्व केसरी ■

जागरूकता अभियान' चलाया गया। इस अभियान के समापन अवसर पर 02 अक्टूबर को जिले के सभी थाना व चौकी क्षेत्रों में विशेष 'साइबर जागृति चौपाल' एवं 'जन चौपाल' का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों ने ग्राम पंचायतों, हाट-बाजारों, पंचायत भवनों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर सीधे ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया।

बरडीह में गांधी जयंती पर नशामुक्ति वृक्षारोपण, तिरंगा रैली का हुआ भव्य आयोजन

विश्व केसरी ■

बसना (अशोक प्रधान)। बसना विकास विभाग के अंतर्गत ग्राम बरडीह में 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के पावन अवसर पर स्वच्छ भारत स्वच्छ-भारत कार्यक्रम आयोजित की गई।

राष्ट्रीय राजमार्ग सिंधनपुर से भारत माता की जय, जय जवान जय किसान जैसे गानभेदी देशभक्ति नारों के साथ मोहका से बरडीह तक तिरंगा रैली निकाला गया। ग्रामीणों द्वारा मुख्य अतिथि राजा देवेन्द्र बहादुर सिंह का गाजे बाजे तथा प्रत्येक घर के सामने महिलाओं द्वारा अंगवस्त्र एवं नारियल पकड़ाकर स्वागत करते हुए मंच तक लाया गया। कार्यक्रम अंतिम अंश में मुख्य अतिथि सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह, विशिष्ट अतिथि मनजीत सिंह सलूजा, विजय साहू, तनवीर सईद ख्वाजा, राधेश्याम पटेल, राजेंद्र गुप्ता, कमलेश अग्रवाल, संमलाल पटेल, तुन्का साहू, रोहित प्रधान, पंचानन प्रधान, दुक्ल प्रधान भूतपूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह,

रूपेश कुमार युवा समाजसेवी सरायपाली, तिलकराम पटेल भदरपाली मंचासीन रहे। ग्राम बरडीह के मुख्य चौपहे में आयोजित कार्यक्रम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। उड़ीसा एवं छत्तीसगढ़ के ख्याति प्राप्त कलाकार गुरु रोहित प्रधान द्वारा गांधी जी के प्रिय भजन वैष्णव पटेल, ननुजा स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि देवेन्द्र बहादुर सिंह के करकमलों से सड़क किनारे

अशोक तथा पाम की सुंदर पौधों का वृक्षारोपण किया गया। नशामुक्त भारत अभियान की प्रचार प्रचार के लिए निशुल्क लकी झा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम प्रतिभागी सिमरन (पम्मी) प्रधान, प्रायोजक रूपेश कुमार युवा समाजसेवी सरायपाली, द्वितीय प्रतिभागी रितिक प्रधान प्रायोजक जितेंद्र चौधरी ओम कृषि सेवा केंद्र सिंधनपुर, तृतीय प्रतिभागी राजेंद्र भोई प्रायोजक तिलकराम पटेल भदरपाली द्वारा प्रदान किया गया। सभी विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के हाथों पुरस्कार प्रदान किया गया। गांव के बुजुर्गों का सम्मान अंग वस्त्र एवं नारियल पकड़ाकर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित कर आशीर्वाद लिया गया।

कार्यक्रम में सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह हेमंत नायक, पंचगण, गुलाब कुमार भूतपूर्व सरपंच ग्राम पंचायत गिथली, दुक्ल प्रधान भूतपूर्व ग्राम पंचायत बरडीह , कोदंडधर महापात्र, गोपबन्धु प्रधान, कन्हैयालाल भोई , शंकर भोई, सचिन सराफ, मनबोध भोई, मोहन प्रधान, पुरुषोत्तम प्रधान,प्रमोद भोई,नरेंद्र बैरागी, दीपक महापात्र, तुषार विशाल, किशन गड़तिया जगदीश प्रधान, सीयाराम गडतीया, प्रशांत प्रधान, कृष्णा सराफ, रविचंद्र बैरागी, प्रशांत स्वई, अंजुलुश कुमार, जोहन कुमार, राजू कुमार ,संजीव सराफ , आदित्य प्रधान, उमेश प्रधान, चन्दानन प्रधान, नान्हू बैरागी, बलवंत प्रधान, पीयूष विशाल, रमन प्रधान, रोशन गड़तीया, सुमित प्रधान, अशोक गड़तिया,आर्यन प्रधान , अनंत प्रधान, गोलू भोई,मौजूद थे।



गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती पर गांधी बाल उद्यान नगरी में माल्यार्पण

विश्व केसरी ■

नगरी (हिमांशु यादव)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर भाजपा मंडल नगरी के सह प्रभारी महेंद्र नेताम ने पूर्व जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम एवं नगरी महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ उपस्थित होकर सर्वप्रथम सत्य और अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए। तत्पश्चात राष्ट्रसेवा, सादगी एवं ईमानदारी की प्रतिमूर्ति लाल बहादुर शास्त्री के तैलचित्र पर भी पुष्पांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए महेंद्र नेताम ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश तथा



जलहीन केवल शो पीस की तरह पानी टंकी खड़े हैं, जल जीवन मिशन के अधूरे शोपीस

विश्व केसरी■
तखतपुर (ब्यूरो)। विधानसभा क्षेत्र में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी ‘जल जीवन मिशन’ योजना भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से पानी की टंकियां, पाइपलाइन, स्टैंडपोस्ट और घरेलू नल कनेक्शन के कार्य कराए जाने के बावजूद कई गांवों के ग्रामीण आज भी पीने के पानी के लिए परेशान हैं।

करोड़ों के खर्च के बाद भी बूंद-बूंद को तरस रहे ग्रामीण
कहीं पानी की टंकियां अधूरी खड़ी हैं तो कहीं टंकी तैयार होने के बाद भी उनमें पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत बनवाई गई पानी की टंकियां चार मीनार की तरह खड़ी होकर अपनी बदहाली की



कहानी बयां कर रही हैं। कुछ स्थानों पर टंकियों का निर्माण पूरा नहीं हुआ है, जबकि जहां निर्माण पूरा हो चुका है, वहां पाइपलाइन,

इन पंचायतों में अधूरे पड़े हैं जल आपूर्ति के कार्य
तखतपुर में जल जीवन मिशन की पड़ताल के दौरान सकेरी, मोढ़े, केकती, सिंधपुरी, विजयपुर और कंचनपुर ग्राम पंचायतों में पानी की टंकियों का निर्माण अधूरा मिला है। टंकी अधूरी होने के कारण योजना का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचने में देरी हो रही है, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है और उन्होंने निर्माण कार्यों को जल्द पूरा कराकर पेयजल व्यवस्था शुरू करने की मांग की है।

पुराने मोटर पंप को नया बताकर राशि निकालने का आरोप
जल जीवन मिशन के कार्यों को लेकर सबसे गंभीर सवाल तब सामने आया जब पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में पुराने मोटर पंप को नया बताकर उसका भुगतान करने और राशि निकाले जाने का आरोप उठाया गया। मामला सामने आने के बाद जब संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा गया, तो टालमटोल रवैया अपनाया गया। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ अरुण भागव से संपर्क करने के लिए मोबाइल पर संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके चलते योजना की जमीनी स्थिति और लंबित कार्यों को लेकर विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आ सका।

अधूरे कार्यों की जवाबदेही तय होगी या जांच के नाम पर खानापूर्ति ?
जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद योजना का लाभ ग्रामीणों तक न पहुंचना और कार्यों में अनियमितता सामने आना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या अधूरे कार्यों को पूरा कराने के साथ जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों की जवाबदेही तय की जाएगी ? या फिर जांच के नाम पर महज खानापूर्ति कर मामले को फाइलों में दबा दिया जाएगा ? अब ग्रामीणों की नजरें पूरी तरह से प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं कि वे इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

रेत खनन और कथित वसूली के आरोपों से शिवरीनारायण में हलचल, जांच की मांग

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत शिवरीनारायण में कथित अवैध रेत खनन और ट्रैक्टर चालकों से राशि लिए जाने के आरोपों को लेकर मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 12 के पार्श्व प्रतिनिधि एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री ललित कश्यप को लेकर कुछ ट्रैक्टर चालकों द्वारा राशि दिए जाने के दावे किए जाने की बात सामने आई है। मामले को लेकर निष्पक्ष जांच और तथ्यों को सार्वजनिक करने की मांग उठ रही है। जानकारी के अनुसार, आज सुबह नगर के कुछ पार्श्व मौके पर पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर मौजूद थे। मौके पर करीब 35-40 ट्रैक्टर चालकों एवं मालिकों के बयान वीडियो में रिकॉर्ड किए जाने का दावा किया गया है। इनमें कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से ललित कश्यप को रेत के संबंध में राशि दिए जाने की बात कही गई। कुछ लोगों ने 40-50 हजार रुपये तक की राशि देने का दावा किया, जबकि कुछ ने हाल में 10 हजार रुपये दिए जाने की बात कही है।

हालांकि, इन बयानों और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। वीडियो में दिए गए बयानों की सत्यता,



राशि दिए जाने का वास्तविक कारण तथा रेत खनन की वैधता जैसे सभी पहलुओं की जांच संबंधित प्रशासनिक एवं खनिज विभाग द्वारा किया जाना आवश्यक है।

भाजपा संगठन की जवाबदेही पर भी सवाल

मामले ने स्थानीय स्तर पर भाजपा संगठन की जवाबदेही और अनुशासन को लेकर भी चर्चा शुरू कर दी है। यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि किसी राजनीतिक या संगठनात्मक पद के प्रभाव का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों अथवा कथित वसूली के लिए किया गया, तो संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग उठना स्वाभाविक है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि रेत खनन में अनियमितता हो रही थी, तो संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी रही।

साथ ही, भाजपा के भीतर भी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के बीच संगठन की नीतियों, अनुशासन और जवाबदेही को लेकर असंतोष है या नहीं, यह संबंधित लोगों के आधिकारिक पक्ष से ही स्पष्ट हो सकेगा। ऐसे में पूरे संगठन को लेकर निष्कर्ष निकालने के बजाय मामले की तथ्यात्मक जांच जरूरी है।

आरोप सही मिले तो कार्रवाई की मांग

मामले को लेकर मांग की गई है कि मौके पर रिकॉर्ड किए गए वीडियो बयानों, रेत परिवहन से संबंधित दस्तावेजों, रॉयल्टी, अनुमति तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जाए। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ संगठनात्मक स्तर पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

परिवार के साथ मिलकर लखन पाड़े बना रहे आकर्षक प्रतिमाएं



जांजगीर-चांपा। जिले की धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में इन दिनों मूर्ति निर्माण का काम जोर-शोर से चल रहा है। बस स्टैंड रोड स्थित नटराज चौक के पास लखन मूर्तिकार अपने परिवार के साथ मिलकर विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। लखन पांडे पिछले करीब 28 वर्षों से मूर्तियां बनाने का काम कर रहे हैं और उनकी बनाई प्रतिमाओं की मांग आसपास के कई क्षेत्रों में रहती है। शिवरीनारायण के बस स्टैंड रोड, नटराज चौक के पास नीरज ट्रेडर्स के बाल में लखन मूर्तिकार का मूर्ति निर्माण स्थल है।

छत्तीसगढ़ की प्रशंसा पांडे ने संसद भवन दिल्ली में छत्तीसगढ़ का नेतृत्व किया

विश्व केसरी■

बिलासपुर (ब्यूरो)। स सं द भवन, नई दिल्ली में महात्मा गांधी, शास्त्री जयंती अवसर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व बिलासपुर की प्रशंसा पांडे द्वारा किया गया। इसके पूर्व प्रशंसा पांडे को उनके महाविद्यालय शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर में सम्मानित कर शुभकामनाएं दी गईं।

महाविद्यालय के प्राचार्य कमलेश सर सहित प्रोफेसर मंजू माधुरी बाजपेयी मैडम, चौधरी सर, सिन्हा मैडम, सीमा मिश्रा मैडम एवं डॉ. पूजा शर्मा मैडम सहित अन्य प्राध्यापकों ने प्रशंसा पांडे का अभिनंदन किया और उनके राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।



दी। वे नेशनल यूथ पार्लियामेंट की प्रदेश विजेता हैं तथा विकसित भारत लीडर्स डायलॉग में भी राज्य स्तर पर अपनी उपलब्धि दर्ज करा चुकी हैं। पिछले दो वर्षों से ये नेशनल यूथ पार्लियामेंट के माध्यम से विधानसभा स्तर पर युवाओं का प्रतिनिधित्व करती आ रही हैं। युवा नेतृत्व के क्षेत्र में प्रशंसा पांडे को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से Youth

Icon की उपाधि भी प्राप्त है। Youth Icon के रूप में वे नशामुक्त भारत अभियान सहित युवाओं से जुड़े विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता कर चुकी हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री के साथ आयोजित ‘खेल की बात’ एवं युवा संवाद जैसे कार्यक्रमों में भी उन्होंने Youth Icon के रूप में सहभागिता की है। संसद भवन के लिए उनका चयन उनके निरंतर परिश्रम, युवा नेतृत्व और राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सहभागिता का महत्वपूर्ण परिणाम है। बिलासपुर की बेटी का संसद भवन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का संदेश भी है।

कबड्डी प्रतियोगिता के मंच पर छत्तीसगढ़ी भगवद्गीता की चर्चा उप-मुख्यमंत्री अरुण साव सहित अतिथियों ने पुस्तक देखकर दी बधाईयां

विश्व केसरी■

चांपा (नीरज शर्मा)। कोसा कांसा कंचन की नगरी चांपा में आयोजित विद्याभारती मध्य क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार समारोह में खेल के साथ साहित्य और भाषा का भी एक विशेष प्रसंग देखने को मिला। समारोह में पहुंचे छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री अरुण साव , जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की संसद कमलेश जांगड़े, भारतीय कुष्ठ निवारक संघ के सचिव सुधीर देव, विद्या भारती मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जुड़ावन सिंह ठाकुर, नगर संचालक डॉ शांति सोनी सहित अन्य अतिथियों को चांपा निवासी लेखक एवं अनुवादक रविन्द्र कुमार सोनी उर्फ भारत की कृति



श्रीमद्भगवद्गीता (छत्तीसगढ़ी) भेंट की गई।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता नंदकुमार देवानां ने रविन्द्र सोनी को मंच पर बुलाया और अतिथियों को उनकी छत्तीसगढ़ी गीता की प्रतियां भेंट करने के लिए कहा। पुस्तक हाथ में आने के बाद अतिथियों ने उसे देखा और सोनी से उनकी इस कृति के बारे में जानकारी ली। रविन्द्र कुमार सोनी के अनुसार, अतिथियों को इस कार्य

ही मन संकल्प लिया था कि वे अपनी क्षमता के अनुसार इस दिशा में कार्य करेंगे। लगभग 25 वर्षों की यात्रा के बाद वर्ष 2026 में श्रीमद्भगवद्गीता (छत्तीसगढ़ी) प्रकाशित हुई।

उनकी इस यात्रा के बारे में हाल के दिनों में विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया संस्थानों में भी समाचार और साक्षात्कार सामने आए हैं।

‘यह मेरा नहीं, छत्तीसगढ़ी भाषा का सम्मान है’

रविन्द्र कुमार सोनी का कहना है कि वे अपनी इस कृति को स्वच्छता उपलब्धि के रूप में नहीं देखते। उनके शब्दों में, ‘मैं तो केवल एक माध्यम हूँ। जो कुछ हुआ, वह भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से हुआ।’

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की मनाई गई जयंती

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिला कांग्रेस कमेटे एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटे जैजैपुर के संयुक्त तत्वावधान में जैजैपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत सिरली में बहुत ही धूमधाम, उत्साह और गरिमामय समारोह में मनाया गया।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस जनों एवं सर्वोदय के प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं द्वारा प्रभातफेरी जय जगत एवं रघुपति राघव राजा राम भजन को श्रद्धापूर्वक गाते हुए पूरे गांव में भ्रमण किया गया। तत्पश्चात सभास्थल पर दोनों महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। और वक्ताओं द्वारा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया इस अवसर पर ठा गुलजार



सिंह, रश्मि गभेल, बलराम पांडे, गोपाल भारद्वाज, श्याम कुमार केवट, कुशल कश्यप, अमरसिंह बनाफर, बोधसाय चंद्रा, ताम्रध्वज चंद्रा, लालचंद साहू,साधेश्वर गभेल,राइस किंग खुटे, रुप नारायण साहू, बोधसाय चंद्रा, लखन राठौड़,कालुराम अग्रवाल, बलराम दास वैष्णव, सन्नी यादव, राजेश लहरें, खम्हनसाहू, प्रदीप पटेल, सुनील पटेल, वेदप्रकाश पटेल , दिवाकर यादव, राजेन्द्र यादव,

कार्तिक चंद्रा, महेन्द्र सिदार ,ज्योति गभेल ,किरण जायसवाल,रीना तिवारी,केवरा कुर्रे, सुशीला श्रथारम पटेल,चंद्रा,पदमा बरेट, अमरनाथ साहू,बबला महंत, गोपी पटेल, छोटू सिदार, खिदमत पटेल, दसूचंद्रा, बाबूलाल पटेल, सोनू तंबोली, नारायण, रोहित चंद्रा, गभेल, भागवत सहनी, गांव की महिला समूह की कार्यकर्ता , कांग्रेस जन एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

जुड़वनिया नाला में गूंजा जल संरक्षण का संकल्प, सेवा से संवर रहा बलरामपुर

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत जिले में जनसेवा, विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में बलरामपुर जिला मुख्यालय स्थित जुड़वनिया नाला में जल संरक्षण की दिशा में विशेष पहल की गई। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जल संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता बलरामपुर संजय मिज तथा जल संसाधन विभाग संभाग क्रमांक-2 रामानुजगंज के कार्यपालन अभियंता



एन.पी. डहरिया के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में विभागीय अमले ने जुड़वनिया नाला में जल संरक्षण की दिशा में कार्य किया। इस दौरान उप अभियंता राजकमल केरकेट्टा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने जल संरक्षण को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए जल स्रोतों

को सुरक्षित रखने और वर्षा जल के संरक्षण के लिए सामूहिक सहभागिता पर जोर दिया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का, नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप सोनी तथा पार्श्व गौतम सिंह सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों की सहभागिता से जल संरक्षण अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप मिला।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चंद्रपुर के दरहा घाट में चला विशेष स्वच्छता अभियान



विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘सेवा मेरा योगदान’ पहल के तहत चंद्रपुर में नदी के तट स्थित दरहा घाट में विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों एवं नागरिकों ने एक साथ श्रमदान करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया। ‘सेवा ही मेरा योगदान’ अभियान के अंतर्गत नदी घाटों की

विशेष साफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के दौरान घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों की व्यापक सफाई की गई तथा नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने का संकल्प लिया। ‘सेवा मेरा योगदान’ पहल के तहत आयोजित इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता कार्यों में जनभागीदारी को बढ़ावा देना और नागरिकों को अपने आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना है।

कांग्रेस का लोकतंत्र बचाओ सप्ताह, 8 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। बेमेतरा में जिला कांग्रेस कमेटे की ओर से 2 से 8 अक्टूबर तक ‘लोकतंत्र बचाओ सप्ताह, वोट बचाओ-देश बचाओ’ अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को राजीव भवन में आयोजित पत्रकारिता में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने केंद्र की भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं और विपक्ष लगातार इन मुद्दों को जनता के सामने उठा रहा है। अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए जनजागरण करेंगे तथा मार्च भी निकालेंगे।

चौबे ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद



लोकतंत्र की रक्षा के लिए देश के नागरिकों की भागीदारी जरूरी हो गई है। कांग्रेस और विपक्षी दल लोकतंत्र बचाने की मांग को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सबसे बड़ा अधिकार जनता का है और मतदाता के वोट की सुरक्षा चुनाव प्रक्रिया की बुनियादी जिम्मेदारी है।

13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटने

का लगाया आरोप - पूर्व कृषि मंत्री ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त जगनेश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि देश में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में 25 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काटे जाने का दावा उन्होंने किया। चौबे ने कहा कि मतदाता सूची में इस तरह के बदलाव को लेकर

विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है, लेकिन इन सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी व्यवस्था में गड़बड़ी होती है और उसकी निगरानी करने वाला जिम्मेदार व्यक्ति कार्रवाई नहीं करता, तो उसकी भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है। इसी संदर्भ में उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त जगनेश कुमार पर तीखी टिप्पणी करते हुए उनकी तुलना ‘दुशसन’ से की।

‘वोट की चोरी और नाम काटने का आरोप गंभीर’ - चौबे ने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि अब तक हुए चुनावों में वोट की चोरी और चुनावी गड़बड़ी के सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के नाम काटे जाने और वोटों की सुरक्षा को लेकर विपक्ष लगातार चुनाव आयोग से जवाब मांग रहा है।

18 की दहलीज पर लोकतंत्र से जुड़ेंगे युवा: 17 वर्षीय भावी मतदाताओं के लिए 6 अक्टूबर को विशेष शिविर

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले में मतदाता सूची को अधिक समावेशी और अद्यतन बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान की प्रगति की समीक्षा की।

कलेक्टर त्रिपाठी ने निर्देश दिए कि अगले वर्ष 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले भावी मतदाताओं के साथ-साथ किसी कारणवश अपने

निवास स्थान पर अनुपस्थित पाए गए पात्र नागरिकों का फॉर्म-6 अनिवार्य रूप से भरवाकर जमा कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

6 अक्टूबर को सभी शिक्षण संस्थानों में विशेष शिविर

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक माह के भीतर विशेष अभियान पूरा किया जाना है। इसी क्रम में 6 अक्टूबर 2026 को जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में 17 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में अग्रिम रूप से

जोड़ने के लिए आवेदन प्रक्रिया कराई जाएगी। कलेक्टर ने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों और सभी शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों को अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए हैं।

हर स्कूल-कॉलेज बनेगा मतदाता जागरूकता का केंद्र

बैठक में जिले के सभी स्कूलों एवं महाविद्यालयों में इलेक्ट्रोल लितरेसी क्लब (ईएलसी) का गठन एवं पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इन क्लबों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं युवाओं को मतदान, मतदाता पंजीयन और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के लिए साप्ताहिक एवं मासिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत, वैश्विक अनिश्चितता का सफलतापूर्वक किया सामना : वित्त मंत्री सीतारमण

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के चलते पैदा हुई वैश्विक अनिश्चितता का भारत सफलतापूर्वक सामना करने में सक्षम रहा है और देश की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। यह बयान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से शनिवार को दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी में 5वें कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव (केईसी 2026) में ‘बदलाव के दौर में मजबूती: भारत की आर्थिक प्रार्थमिकताएं’ विषय पर आयोजित विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत इस दौर से उल्लेखनीय रूप से बेहतर स्थिति में निकला है। उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है और इसमें और मजबूती आई है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि वैश्विक सार्वजनिक ऋण 2025 में बढ़कर जीडीपी के करीब 94 प्रतिशत तक पहुंच गया और 2029 तक इसके 100 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। यह स्तर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के दौर में आखिरी बार देखा



गया था। उन्होंने कहा, ‘मूल्य संबंधी झटके को मौद्रिक और राजकोषीय उपायों से कम किया जा सकता है, लेकिन मात्रा संबंधी झटका व्यापक आर्थिक प्रणालियों, वितरण तंत्र की पहुंच और खुद राज्य की क्षमता की परीक्षा लेता है। ये झटके ऐसी दुनिया में आए हैं, जहां पहले से ही सुरक्षा कवच और कमजोर हो चुके हैं।’

वित्त मंत्री ने कहा, ‘वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी। अगस्त 2026 में सीपीआई मुद्रास्फीति करीब 4.8 प्रतिशत रही और पहली तिमाही में चालू खाते का घाटा जीडीपी का 0.5 प्रतिशत रहा।’ उन्होंने आगे कहा कि 2014 से सरकार ने उन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए काम किया है, जिन पर सतत विकास

निर्भर करता है जिसमें प्रतिक्रिया देने की राज्य की क्षमता, उत्पादन करने की अर्थव्यवस्था की क्षमता और नागरिकों एवं उद्यमों की विकास में भागीदारी की क्षमता शामिल हैं। उन्होंने कहा, ‘पहली बुनियाद परिवारों के स्तर पर लचीलेपन को मजबूत करना है। यह सरकारी खर्च और सरकारी पहलों को लोगों के जीवन में ठोस सुधार में बदलकर किया गया है। पारदर्शी तंत्र, कड़ी निगरानी और योजनाओं को लागू करने के जुनून ने यह सुनिश्चित किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे।’ जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) त्रिमूर्ति और डायरेक्ट बेंचिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने लाभार्थियों तक सीधे सहायता पहुंचाने वाली प्रणालियों को मजबूत किया। योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन से पीएम आवास योजना के तहत आवास, स्वच्छ भारत के तहत स्वच्छता, उच्चला के तहत स्वच्छ खाना पकाने की गैस, आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य सेवाओं और पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत खाद्य सुरक्षा ने परिवारों की असुरक्षा के अलग-अलग स्रोतों को दूर करने में मदद की।

शिकागो में पीयूष गोयल ने कारोबारियों से की मुलाकात भारत में निवेश और मैनुफैक्चरिंग पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मिल्वौकी में जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के बाद शिकागो का दौरा किया। यहां उन्होंने महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारतीय समुदाय और कारोबारियों से संवाद किया।

मंत्री पीयूष गोयल ने आर्चर डेनियल्स मिडलैंड (एडीएम) के बोर्ड चेयरमैन जुआन रिकार्डो लुसियानो और टारगेट के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और चीफ लीगल एंड कंप्लायंस ऑफिसर ग्रांट मैक्गी से मुलाकात की। इस दौरान भारत में निवेश, फूड प्रोसेसिंग और मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में साझेदारी बढ़ाने और मेक इन इंडिया के तहत सोर्सिंग बढ़ाने पर चर्चा हुई। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पोस्ट में लिखा, ‘शिकागो में आर्चर डेनियल्स मिडलैंड (एडीएम) के बोर्ड चेयरमैन और सीईओ जुआन रिकार्डो लुसियानो से मुलाकात हुई। इस दौरान भारत में एडीएम की मौजूदगी बढ़ाने और निवेश के नए मौकों पर चर्चा हुई।’

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, ‘भारत का फूड प्रोसेसिंग सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है, कृषि से जुड़ी सप्लाय और वैल्यू चेन को आधुनिक



बनाया जा रहा है, और देश में उपभोक्ताओं का बहुत बड़ा बाजार है। इन सभी वजहों से भारत में लंबे समय की साझेदारी और टिकाऊ विकास के लिए काफी संभावनाएं हैं।’

एक अन्य ‘एक्स’ पोस्ट में उन्होंने लिखा, ‘टारगेट के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और चीफ लीगल एंड कंप्लायंस ऑफिसर ग्रांट मैक्गी से मुलाकात हुई। इस दौरान मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में तेजी से बढ़ रहे मैनुफैक्चरिंग के मौकों का टारगेट किस तरह और ज्यादा फायदा उठा सकता है, इस पर चर्चा हुई। साथ ही भारत में

टारगेट की मौजूदगी को और मजबूत करने और भारत से सामान की खरीद बढ़ाने के मौकों पर भी बातचीत हुई।’ एक अन्य पोस्ट में गोयल ने लिखा, ‘एओएन के सीईओ ग्रेग केस से मुलाकात की और भारत में कंपनी के कामकाज और आगे विस्तार के एजेंडा में शामिल नहीं था, बल्कि लीगल और ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर पॉल ग्रेवाल से भी मुलाकात की और कॉमिशन के बेहतरीन एआई सॉल्यूशंस का इस्तेमाल करने और भारत में इसकी मौजूदगी को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया।’

सेबी सीएस के लागू होने के बाद अब डेरिवेटिव्स एक्सपायरी सेटलमेंट फ्रेमवर्क की कर रहा समीक्षा: चेयरमैन

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शनिवार को कहा कि नियामक डेरिवेटिव्स एक्सपायरी सेटलमेंट फ्रेमवर्क से जुड़ी चिंताओं की समीक्षा कर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में ‘कमोडिटी एंड कैपिटल मार्केट पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया’ (सीपीआई) के 12वें इंटरनेशनल कन्वेंशन में बोलेते हुए, पांडे ने कहा कि भारत को ऐसे बाजारों की जरूरत है जो कुशलतापूर्वक पूंजी जुटा सकें, जोखिम का प्रबंधन कर सकें और निवेशकों में भरोसा जगा सकें।

‘क्लोजिंग ऑक्शन सेशन’ (सीएस) फ्रेमवर्क शुरू होने के बाद, बाजार नियामक एक्सपायरी के दिनों में डेरिवेटिव्स सेटलमेंट की कीमतें तय करने से जुड़े मुद्दों की समीक्षा कर रहा है।

सीएस फ्रेमवर्क को इसलिए लाया गया था ताकि सिर्फ वॉल्यूम-वेटेड औसत कीमतों पर निर्भर रहने के बजाय, एक ही इक्विलिब्रियम कीमत पर खरीद और बिक्री के ऑर्डर का मिलान करके दिन के आखिर में कीमत का बेहतर पता लगाया जा सके।

सेबी के चेयरमैन ने कहा कि नियामक कैश मार्केट को ज्यादा गहरा और लिक्विड बनाना चाहता है, साथ ही सिन्क्रोटीज उभार लेने और देने के मजबूत सिस्टम और हेजिंग व आर्बिट्राज के बेहतर मौके भी चाहता है, ताकि कीमत का पता लगाने की प्रक्रिया बेहतर



हो सके और कैश व डेरिवेटिव्स सेगमेंट के बीच तालमेल मजबूत हो सके।

कमोडिटी डेरिवेटिव्स मार्केट में, सेबी नॉन-एग्रीकल्चरल कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए ‘पोजीशन लिमिट’ की समीक्षा कर रहा है। इसका मकसद रिस्क मैनेजमेंट के स्टैंडर्ड्स से समझौता किए बिना लिक्विडिटी और मार्केट की गहराई को बढ़ाना है।

चेयरमैन पांडे के अनुसार, सेबी एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के जरिए कमोडिटी डिलीवरी में शामिल लोगों पर असर डालने वाले गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) से जुड़े मुद्दों पर स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत जारी रखेगा।

भागीदारी बढ़ाने के उपायों पर जोर देते हुए, उन्होंने बताया कि फरिन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स

(एफपीआई) को नॉन-एग्रीकल्चरल कमोडिटी डेरिवेटिव्स तक पहुंच दी गई है। इस कदम से फिजिकल मार्केट के लिए सुरक्षा उपायों को बनाए रखते हुए लिक्विडिटी और प्राइस डिस्कवरी में सुधार की उम्मीद है।

सेबी प्रमुख ने कैपिटल मार्केट को आसान बनाने के मकसद से किए गए सुधारों का भी जिक्र किया। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए एक्सचेंज और स्टैंडर्ड प्रोस्पेक्टस डिस्क्लोजर, बॉन्ड डिस्ट्रीब्यूशन इकोसिस्टम को मजबूत करने के उपाय, कॉर्पोरेट लचीलापन और स्टॉक एक्सचेंज के जरिए ओपन-मार्केट शेयर बायबैक को फिर से शुरू करना शामिल है।

नोएल टाटा ने एन.चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति की बैठक के वीडियो और मिनट्स की मांग की: रिपोर्ट

विश्व केसरी■
मुंबई। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस के बोर्ड को पत्र लिखा है और सितंबर में चेयरमैन के रूप में एन.चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर सवाल किए हैं। यह जानकारी मामले से जुड़े सूत्रों की ओर से दी गई।

एनडीटीवी प्रॉफिट के अनुसार, नोएल ने बोर्ड से मीटिंग के मिनट्स और वीडियो रिकॉर्डिंग मांगी, और साथ ही बाद में ली गई कानूनी राय और उन्हें मांगने के आधार पर भी सवाल उठाए।

नोएल ने 30 सितंबर के एक ईमेल में कहा कि चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का मामला मीटिंग के एजेंडा में शामिल नहीं था, बल्कि इसे ‘एनआरसी की तरफ से जानकारी’ वाले हिस्से में उठया गया था। उन्होंने पहले इस बात से इनकार किया था कि 17 सितंबर की बोर्ड मीटिंग में कोई प्रस्ताव



पास हुआ था। ग्रुप की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर, टाटा ट्रस्ट्स ने चंद्रशेखरन को तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्त करने वाले बोर्ड के प्रस्ताव को ‘गैर-कानूनी’ और ‘कानूनी रूप से अमान्य’ बताया है।

ट्रस्ट के कड़े शब्दों वाले बयान में कहा गया है कि नोएल, जो टाटा संस बोर्ड में नॉमिनी डायरेक्टर भी हैं, ने इस बैठक के दौरान दोबारा नियुक्ति के खिलाफ वोट दिया।

नियुक्त डायरेक्टर बराबर बंटे हुए थे, तो कास्टिंग वोट ने आर्टिकल 121 की शर्तों को पूरा किया।

टाटा ट्रस्ट्स का कहना था कि दोनों नॉमिनी डायरेक्टरों का दोबारा नियुक्ति का समर्थन करना जरूरी था और उसने अपने पक्ष के समर्थन में पूर्व चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की राय का हवाला दिया।

टाटा संस के ‘आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन’, खासकर नॉमिनी डायरेक्टर और चेयरमैन के ‘कास्टिंग वोट’ (निर्णायक वोट) से जुड़े नियम इस विवाद की मुख्य वजह थे। टाटा ट्रस्ट्स के दूसरे नॉमिनी डायरेक्टर वेणु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का समर्थन किया, जबकि चंद्रशेखरन खुद इस प्रक्रिया से अलग रहे और स्वतंत्र निदेशक अश्वथत्ता की। यह प्रस्ताव चेयरमैन के ‘कास्टिंग वोट’ के जरिए पास किया गया।

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल का दाम 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाई

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। निजी ईंधन कंपनी नायरा एनर्जी ने देशभर में फैले अपने नेटवर्क पर पेट्रोल में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी शनिवार से लागू की है। इसकी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी होना है। यह जानकारी इंडस्ट्री के सूत्रों की ओर से दी गई।

नई कीमतों के जरिए नायरा एनर्जी की कोशिश बढ़ी हुई लागत और बिक्री मूल्य में अंतर को कम करना है। मौजूदा दौर में कच्चे तेल की कीमतों के ऊपर जाने के कारण पेट्रोल और डीजल की लागत तेजी से बढ़ी है। देश में 7,000 से ज्यादा पेट्रोल पंप चलाने वाली नायरा और डीजल की कीमतें बढ़ाई थीं, लेकिन की कीमतों में बढ़ोतरी की है। इससे पहले



मार्च में, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण यहाँ तक बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब सरकारी और डीजल की कीमतें बढ़ाई थीं, लेकिन जुलाई में कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर

यह बढ़ोतरी वापस ले ली थी। कीमतों में यह तजा बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब सरकारी तेल वितरक कंपनियां, जो भारत के 1,04,000 से ज्यादा पेट्रोल पंपों में से 90 प्रतिशत से

ज्यादा का संचालन करते हैं, ने ग्लोबल क्रूड मार्केट में उतार-चढ़ाव के बावजूद रिटेल कीमतों को काफी हद तक स्थिर रखा है। इस हफ्ते की शुरुआत में, सरकार ने कहा था कि निजी ईंधन विक्रेताओं को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर रोक नहीं लगानी चाहिए। इसके अलावा, सरकारी कंपनियों ने एक अक्टूबर से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 62.50 रुपए का इजाफा किया था। हालांकि, घरेलू एलपीजी की कीमतों को 942 रुपए पर स्थिर रखा था। साथ ही, एक्विशन टर्बाइन प्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भी 16 प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमतें 121 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 137 रुपए प्रति लीटर हो गई हैं।

एआई से जुड़ी कंपनियों के वैल्यूएशन में कमी से भारत में बढ़ सकता है पूंजी प्रवाह: आरबीआई गवर्नर

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी कंपनियों के वैल्यूएशन में कमी से वैश्विक निवेश चक्र में धीमेपन के बावजूद भारत में पूंजी प्रवाह में वृद्धि हो सकती है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की ओर से शनिवार को दी गई।

राष्ट्रीय राजधानी में कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 में बोलते हुए, मल्होत्रा ने कहा कि हाल के वर्षों में एआई निवेश में आई तेजी ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केट के लिए एक मुख्य प्रेरक



रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एआई से जुड़े निवेश या कमाई में किसी भी तरह की कमी से इस सेक्टर से जुड़ी वित्तीय संपत्तियों की कीमतों में बड़ा बदलाव आ सकता है। इस तरह की गिरावट वैश्विक बाजारों के लिए जोखिम है, लेकिन इसका भारत पर सकारात्मक प्रभाव होगा।

मल्होत्रा ने कहा, ‘अगर विकसित देशों में एआई से जुड़ी वैल्यूएशन में सुधार होता है, तो इससे पूंजी के प्रवाह में सकारात्मक असर पड़ सकता है।’

उन्होंने आगे कहा कि हाल के महीनों में भारतीय इक्विटी मार्केट



में भी ऊंचे वैल्यूएशन से सुधार हुआ है, लेकिन उन्होंने इसे प्रक्रिया का हिस्सा बताया। आरबीआई गवर्नर ने एआई से

जुड़ी वैल्यूएशन में अत्यधिक सुधार को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली के सामने मौजूद पांच प्रमुख चिंताओं में से एक बताया। उनके अनुसार, अन्य जोखिमों में ग्लोबल स्तर पर बढ़ा हुआ अर्ज, नॉन-बैंक फाइनेंशियल सेक्टर में लीवरेज (उधार लेकर निवेश), प्राइवेट क्रेडिट एक्सपोजर का बढ़ना और साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरे शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि इन कमजोरियों का मतलब तुरंत कोई फाइनेंशियल संकट आना नहीं है। उन्होंने कहा, ‘ऐसा नहीं है कि मुझे संकट के कोई तुरंत संकेत

दिख रहे हैं, लेकिन हमें इन जोखिमों को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।’ देश मजबूत व्यापक आर्थिक आधार और बैंकों व नॉन-बैंक फाइनेंशियल संस्थानों की मजबूत बैलेंस शीट के दम पर एक चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल का सामना कर रहा है। उन्होंने माना कि कमोडिटी की कीमतों, ग्लोबल फाइनेंशियल स्थितियों और कैपिटल फ्लो के कारण देश बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि घरेलू फाइनेंशियल सिस्टम मजबूती बनाए हुए है।

बच्चों में बार-बार खाने की आदत को ऐसे पहचानें, आसानी से समझें वास्तविक भूख के संकेत



माता-पिता अक्सर बच्चे की भूख और खाने की आदत में अंतर को लेकर समझ ही नहीं पाते हैं. असली भूख में बच्चा पौष्टिक भोजन खाता है, जबकि आदत में जंक फूड पसंद करता है. प्यास या बोरियत भी खाने की इच्छा का कारण हो सकता है

अक्सर माता-पिता इस बात को लेकर भ्रमित रहते हैं कि बच्चा बार-बार खाने की मांग कर रहा है क्योंकि उसे वास्तव में भूख लगी है या फिर यह केवल आदत, बोरियत या स्वाद की इच्छा है. दोनों स्थितियों में अंतर समझना जरूरी है, क्योंकि बिना जरूरत के बार-बार खाना बच्चे की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है. वहीं, असली भूख को नजरअंदाज करना उसके विकास पर असर डाल सकता है.

असली भूख के संकेत क्या हैं ?

जब बच्चे को वास्तव में भूख लगती है, तो उसका शरीर ऊर्जा की मांग करता है. ऐसे में बच्चा भोजन मिलने तक खाने की बात करता रहता है और केवल पसंदीदा चीजें ही नहीं, बल्कि सामान्य खाना भी खुशी से खा लेता है. भूख लगने पर पेट में गुड़गुड़ाहट, ऊर्जा में कमी, चिड़चिड़ापन या ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसे संकेत भी दिखाई दे सकते हैं.

यदि बच्चे ने पिछला भोजन 3-4 घंटे पहले किया है और वह रोटी, दाल, सब्जी, फल या अन्य पौष्टिक भोजन खाने के लिए तैयार है, तो यह वास्तविक भूख का संकेत हो सकता है.

कई बार बच्चे केवल स्वाद के लिए या बोरियत के कारण कुछ न कुछ खाने रहना चाहते हैं. ऐसी स्थिति में वे अक्सर चिप्स,

चॉकलेट, बिस्कुट, आइसक्रीम या अन्य पसंदीदा स्नैक्स मांगते हैं, लेकिन पौष्टिक भोजन देने पर मना कर देते हैं.

यदि बच्चा खाना खाने के कुछ ही समय बाद फिर कुछ खाने की मांग करता है और उसका ध्यान किसी खेल, कहानी या दूसरी गतिविधि में लगाने पर वह खाने को भूल जाता है, तो यह आदत या मनोवैज्ञानिक इच्छा हो सकती है, न कि वास्तविक भूख.

कैसे करें पहचान ?

बच्चे के खाने की मांग पर सबसे पहले उसे एक गिलास पानी दें. कई बार प्यास को बच्चे भूख समझ लेते हैं. इसके बाद पौष्टिक विकल्प जैसे फल, सलाद, दही या घर का बना नाश्ता दें. यदि बच्चा इन्हें खा लेता है, तो संभव है कि उसे सच में भूख लगी हो.

दूसरी ओर, यदि वह केवल जंक फूड या मिठाई की ज़िद करता है, तो यह स्वाद की इच्छा हो सकती है. साथ ही उसके भोजन और स्नैक का एक नियमित समय तय करें. अनियमित खाने की आदतें भी बच्चों को बार-बार खाने के लिए प्रेरित करती हैं.

माता-पिता क्या करें ?

बच्चों को संतुलित भोजन दें जिसमें प्रोटीन, फाइबर और स्वस्थ वसा शामिल हों. इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है. स्क्रीन देखते हुए खाने की आदत से बचाएं और भोजन के समय को अनुशासित रखें।

साथ ही बच्चे की भावनाओं को समझें, क्योंकि कभी-कभी तनाव, अकेलापन या बोरियत भी बार-बार खाने की वजह बन सकती है।



कैंसर नहीं चाहते तो आज से ही डाइट में शामिल कर लें ये बूटियां

कैंसर से बचाव के लिए लोग क्या नहीं करते हैं. हालांकि सिर्फ किसी एक चीज पर निर्भर रहना सही नहीं है. खान-पान, रोज की शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और धूम्रपान-शराब से दूरी भी जरूरी है. लोकल 18 से ऋषिकेश के आयुष चिकित्सक डॉ. राजकुमार बताते हैं कि हल्दी, अंबा हल्दी, अदरक, लहसुन, नीम, तुलसी और दालचीनी जैसी जड़ी-बूटियां और मसाले हमारी रसोई में लंबे समय से इस्तेमाल होते रहे हैं. हल्दी में करक्यूमिन नाम का यौगिक पाया जाता है, जिसमें कैंसर समेत कई दिक्कतों से निपटने के गुण हो सकते हैं. अदरक का इस्तेमाल चाय से लेकर सब्जी और काढ़े तक में खूब होता है.

कैंसर से बचाव के लिए सिर्फ किसी एक चीज पर निर्भर रहना सही नहीं है. खान-पान, रोज की शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और धूम्रपान-शराब से दूरी जैसी आदतें लंबे समय में सेहत पर असर डालती हैं. इसी वजह से आजकल लोग अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करने पर भी ध्यान दे रहे हैं, जिनमें प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट और दूसरे सक्रिय यौगिक पाए जाते हैं. लोकल 18 से ऋषिकेश के आयुष चिकित्सक डॉ. राजकुमार बताते हैं कि हल्दी, अंबा हल्दी, अदरक, लहसुन, नीम, तुलसी और दालचीनी जैसी जड़ी-बूटियां और मसाले भारतीय रसोई में लंबे समय से इस्तेमाल होते रहे हैं. इन चीजों में मौजूद कुछ यौगिकों को लेकर वैज्ञानिक शोध भी हुए हैं. हल्दी भारतीय खाने का एक आम मसाला है. इसमें करक्यूमिन नाम का प्रमुख यौगिक पाया जाता है, जिस पर कैंसर समेत कई स्वास्थ्य स्थितियों को लेकर शोध हुए हैं. लैब और कुछ शुरुआती अध्ययनों में करक्यूमिन के एंटीऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले प्रभावों को देखा गया है. यही वजह है कि हल्दी को सेहत के लिए फायदेमंद मसालों में गिना जाता है.

क्या आपको भी पेशाब में होती है जलन ? ये पौधा दिलाएगा मुक्ति, सड़क किनारे मिल जाएगा

डॉ. राजकुमार बताते हैं कि अंबा हल्दी को भी पारंपरिक तौर पर कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है. इसमें भी प्राकृतिक सक्रिय यौगिक पाए जाते हैं. इसके एंटीऑक्सीडेंट गुणों को लेकर अध्ययन किए गए हैं. अदरक का इस्तेमाल चाय से लेकर सब्जी और काढ़े तक में खूब होता है. इसमें जिंजरोल जैसे सक्रिय यौगिक पाए जाते हैं. वैज्ञानिक अध्ययनों में अदरक के एंटीऑक्सीडेंट और सूजन से जुड़े प्रभावों पर बात की गई है. कुछ प्रयोगशाला अध्ययनों में इसके यौगिकों ने कैंसर कोशिकाओं पर भी असर दिखाया है। डॉ. राजकुमार के अनुसार, लहसुन में सल्फर यौगिक पाए जाते हैं, जिनमें एलिसिन प्रमुख है. लहसुन के सेवन और कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम के बीच संबंध को लेकर अलग-अलग शोध हुए हैं.

गट्टे की सब्जी में आया महाराष्ट्र का टिवस्ट, बेसन पाटौड़ी रोल्स की ये रेसिपी है खास, ये प्यूजन रेसिपी जरूर ट्राई करें



बेसन गट्टा पाटौड़ी रोल्स में बेसन की पतली शीट के अंदर नारियल, मूंगफली और मसालों की स्टाफिंग भरी जाती है. रोल्स को भाप में पकाकर दही-टमाटर की ग्रेवी में तैयार किया जाता है. रोटी या परांठे के साथ यह प्यूजन सब्जी स्वादिष्ट विकल्प बन सकती है.

रोज की सब्जी में कुछ नया खाने का मन हो और घर में बेसन रखा हो, तो यह रेसिपी काम की साबित हो सकती है. राजस्थान की गट्टे की सब्जी का स्वाद तो आपने कई बार लिया होगा, लेकिन अगर इसमें महाराष्ट्र की पाटौड़ी का

अंदाज जोड़ दिया जाए तो डिश का पूरा स्वाद बदल जाता है. शेफ और कर्जेंट क्रिएटर ऐश्वर्या ने इसी कॉम्बिनेशन से बेसन गट्टा पाटौड़ी रोल्स तैयार किए हैं. बेसन की पतली शीट में नारियल, मूंगफली और मसालों की चटपटी स्टाफिंग भरी जाती है. फिर रोल्स को भाप में पकाकर दही और टमाटर की मसालेदार ग्रेवी में डाला जाता है. खास बात यह है कि इसे घर पर आसानी से तैयार किया जा सकता है.

बेसन गट्टा पाटौड़ी रोल्स में क्या है खास

यह रेसिपी पारंपरिक गट्टे से थोड़ी अलग है. सामान्य गट्टे को सीधे आकार देकर उबालने के बजाय यहां बेसन की पतली शीट तैयार की जाती है. इसके बीच में सूखा और खुशबूदार स्टाफिंग मसाला फैलाया जाता है. रोल तैयार होने के बाद इसे भाप में पकाया जाता है. इससे रोल्स का आकार बना रहता है और भरावन भी अच्छी तरह सेट हो जाता है. इसकी स्टाफिंग में नारियल और मूंगफली के साथ जीरा, सोंफ और साबुत धनिया डाला जाता है. हरी मिर्च और लहसुन इसका स्वाद और बढ़ा देते

हैं. मसाले को बहुत बारीक पीसने के बजाय थोड़ा दरदरा रखने से खाते समय इसका टेक्सचर भी अच्छा लगता है.

सबसे पहले तैयार करें चटपटी स्टाफिंग

एक पैन गर्म करें और उसमें थोड़ा सूखा नारियल, मूंगफली, जीरा, सोंफ और साबुत धनिया डालकर हल्का भून लें. मसालों से खुशबू आने लगे तो गैस बंद कर दें. इसमें हरी मिर्च और लहसुन डालकर मिक्सी में दरदरा पीस लें. ध्यान रखें कि नारियल और मूंगफली जलने न पाएं. हल्का भुना मसाला ही इस रोल की स्टाफिंग को अच्छा स्वाद देता है.

बेसन की शीट बनाकर भरें मसाला

अब एक बाउल में बेसन लें. इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक डालें. थोड़ा तेल या पानी मिलाकर ऐसा डो तैयार करें जो न बहुत सख्त हो और न ज्यादा नरम. इसे अच्छी तरह मसलकर चिकना कर लें. डो की बड़ी लोई बनाकर चकले पर पतला बेलें. शीट के किनारों को काटकर इसे चौकोर आकार दें. अब इसके ऊपर तैयार नारियल-मूंगफली का मसाला समान रूप से फैलाएं. इसके बाद शीट को सावधानी से रोल करें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

राजमा की सब्जी से बोर हो गए, ट्राई करें राजमा मलाई कोफता की ये रेसिपी, उंगलियां चाटते रह जाएंगे



इसमें कोई दोराय नहीं कि राजमा चावल टेस्ट से भरपूर एक कंप्लीट मील है. लेकिन क्या आप राजमा के एक ही रेसिपी को हर बनावार और खाकर बोर नहीं हो गए ? राजमा से बने मलाई कोफता को एक बार ट्राई करके देखिए. आप दोबारा राजमा को सिंपल तरीके से खाना ही भूल जाएंगे.

जब भी मलाई कोफता का नाम आता है, तो ज्यादातर लोगों के मन में आलू और पनीर से बने नरम कोफतों की तस्वीर उभरती है. लेकिन अगर आप इस पारंपरिक डिश को एक नया और अलग स्वाद देना चाहते हैं, तो राजमा मलाई कोफता एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. यह रेसिपी उन लोगों के लिए भी खास है जो कुछ नया ट्राई करना पसंद करते हैं, राजमा के रेगुलर सब्जी से अलग कुछ ट्राई करना चाहते हैं.

राजमा से बने कोफते न सिर्फ स्वाद में शानदार लगते हैं, बल्कि इनका टेक्सचर भी काफी अच्छा होता है. वहीं, काजू, मखाने और क्रीम से तैयार की गई रिच ग्रेवी इस डिश को और भी खास बना देती है. फैमिली डिनर या किसी खास मौके पर ये रेसिपी मेहमानों को जरूर पसंद आएगी. आइए जानते हैं राजमा मलाई कोफता बनाने का आसान तरीका.

उबले हुए राजमा को अच्छी तरह मैश कर लें. इसमें प्याज, हरा धनिया, हरी मिर्च, अदरक, लहसुन, भुना जीरा, गरम मसाला, धनिया पाउडर और नमक मिलाएं।

जंगल सफारी का रोमांच चाहिए? इब्राहिम-पलक की तरह पहुंचिए रणथंभौर, दिल्ली से ऐसे करें ट्रिप प्लान

रणथंभौर नेशनल पार्क एंड टाइगर रिजर्व दुनिया में सबसे बेहतरीन जंगल सफारी एक्सपीरियंस के लिए फेमस है. हाल ही में यहां पटौदी खानदान के लाडले इब्राहिम अली खान अपनी रूमर्ड गलफ्रैंड एक्स्ट्रेस पलक तिवाड़ी के साथ स्पोर्ट किए गए. रिपोर्ट के अनुसार, बीते दिन दोनों ने रणथंभौर में जंगल सफारी की, ये भी बयान दिया कि ये जगह बहुत खूबसूरत है.

किसी समय में रणथंभौर जयपुर के शाही परिवार की प्राइवेट प्रॉपर्टी थी, जहां राजा-महाराजा शिकार खेला करते थे. ये सवाई माधोपुर से करीब 14 किलोमीटर दूर अरावली और विंध्य पर्वतमालाओं के संगम पर बसा है. यहां टाइगर का दिखना बहुत ही कॉमन है, इसलिए यहां वो लोग जरूर आते हैं जिन्हें



टाइगर को नजदीक से देखने का शौक होता है.

यहां का लैंडस्केप बहुत ही

अद्भूत माना जाता है. यहां आप पहाड़ियां, चट्टानें, दूर तक फैले घास के मैदान, झीलें और छोटे

झरने देख सकते हैं. यही कारण है कि यहां आप वाइल्ड लाइफ के ज्यादा क्रिएचर्स को एक साथ

देख सकते हैं. रणथंभौर में बाघों के अलावा स्लॉथ बालू, तेंदुआ, कैराकल, सियार, लोमड़ी, लकड़बग्घा और दुर्लभ भारतीय भेड़िया भी नजर आ जाता है.

पार्क में चीतल, सांभर, नीलगाय, रीसस मकाक और लंगूर जैसे कई शाकाहारी वन्यजीव भी हैं. इसके अलावा यहां पक्षियों की भी कई प्रजातियां देखने को मिलती हैं. धोक, बरागद और अंजीर जैसे पेड़ों से घिरा ये क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है.

झीलों के किनारे धूप सेंकते मगरमच्छ, ऊंचे पेड़ों पर बैठे गिद्ध, सर्प ईगल की तेज आवाज और चीतल की चेतावनी भरी पुकार यहां की सफारी को यादगार बनाती है. यही वजह है कि रणथंभौर की सफारी को देश के सबसे रोमांचक वन्यजीव अनुभवों में गिना जाता है.

कैसे पहुंचें- यदि आप दिल्ली में रहते हैं, तो आप आसानी से 2-3 दिन की छुट्टी लेकर यहां फैमिली और दोस्तों के साथ वाइल्ड लाइफ को एक्सपीरियंस करने आ सकते हैं. रणथंभौर नेशनल पार्क अक्टूबर से जून तक टूरिस्ट के लिए खुला

रहता है ये जगह दिल्ली से लगभग 360-380 किलोमीटर दूर है. यहां आप अपनी कार से भी आ सकते हैं।

इसके अलावा यहां आप ट्रेन भी ले सकते हैं. लेकिन ध्यान रखें सफारी के लिए बुकिंग कराना जरूरी है.

सफारी बुकिंग कैसे करें- सवाई माधोपुर में हर बजट के हिसाब से ठहरने के लिए कई विकल्प मौजूद हैं. हर साल यहां काफी भीड़ आती है, इसलिए सफारी और ठहरने की प्लानिंग से पहले एडवांस में बुकिंग कराना बेहतर रहता है।



तनीषा मुखर्जी की बड़े पर्दे पर वापसी ‘जिंदगी फिर भी खूबसूरत है’ में दिखेगा अनोखा सफर



मुंबई। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की अपकमिंग फिल्म ‘जिंदगी फिर भी खूबसूरत है’ में नजर आएंगी। फिल्म में तनीषा ऐसा किरदार निभा रही हैं जो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। फिल्ममेकर कपिल ने तनीषा की तारीफ करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत थी जो कहानी में भावनाओं की गहराई और संवेदनशीलता ला सके।

मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि

‘जिंदगी फिर भी खूबसूरत है’ की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशनस का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई के असली पारसी घरों और दादर पारसी कॉलोनी में की गई है।

संस्कृति और सच्चाई पर खास ध्यान

फिल्म को पर्दे पर ज्यादा वास्तविक दिखाने के लिए कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ मिलकर भी काम किया। इस दौरान उनकी संस्कृति, रहन-सहन, बोलचाल, तौर-तरीकों और डायलेक्ट को समझने पर खास ध्यान दिया गया।

कपिल का डबल रोल

फिल्म की कहानी लिखने के साथ कपिल कौस्तुभ शर्मा ने इसे डायरेक्ट भी किया है। इसके अलावा, वह फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। फिल्म में कपिल एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसकी कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों को दिखाती है।

ये कलाकार भी आएंगे नजर

फिल्म में सुमिता मुखर्जी, परवीन दस्तूर, डेलनाज ईरानी, तनाज ईरानी, शाहरुख साइरस ईरानी, डॉली ठाकोर और अनन्या दत्ता जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।



कब होगी रिलीज?

‘जिंदगी फिर भी खूबसूरत है’ को पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सर्किट में ले जाने की तैयारी है। इसके बाद फिल्म को थिएटेर्स में रिलीज किए जाने की उम्मीद है।

“तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ है और इस किरदार के लिए यह बहुत जरूरी थी।”

— कपिल कौस्तुभ शर्मा

‘लोग एक-दूसरे की स्पेस का सम्मान कर रहे हैं’, अर्जुन दास ने बताया कैसे बदल रहे हैं रिश्ते



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता अर्जुन दास का मानना है कि आत्मनिर्भरता और सफल रिश्ते एक-दूसरे के बिरोधी नहीं हैं। उनका कहना है कि बदलते दौर में जहां महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक स्वतंत्र हो रही हैं, वहीं रिश्तों में भी परिपक्वता और एक-दूसरे की व्यक्तिगत स्पेस के प्रति सम्मान बढ़ा है। हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान अर्जुन दास ने प्रेम, शादी और आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन को लेकर खुलकर अपनी राय रखी।

दरअसल, हाल ही में उनका शादियां भी अच्छे से चल

अभिनेता से सवाल किया गया, ‘अब महिलाएं ज्यादा आत्मनिर्भर हो गई हैं और समाज का एक हिस्सा मानता है कि प्यार और शादी आत्मनिर्भर लोगों के बीच नहीं चलती है, इस पर आपका क्या कहना है?’

इस पर अर्जुन दास ने जवाब देते हुए कहा, ‘मेरा मानना है कि जो कपल आत्मनिर्भर होते हैं उनके रिश्ते भी चलते हैं। मैं इन बातों से दूर रहना पसंद करता हूँ, लेकिन फिर भी आपने पूछा, तो मैं बताता हूँ। असल में, मेरे कुछ दोस्त हैं, जो अपने पार्टनर को बहुत ज्यादा प्यार करते हैं और उनकी शादियां भी अच्छे से चल

रही है। मुझे लगता है कि नए दौर में बहुत से लोगों को हर तरह के लोगों से मिलने का मौका मिल रहा है। बेशक, यह जानने में समय लगता है कि वे एक-दूसरे के साथ सहज हैं या नहीं।’

उन्होंने आगे कहा, ‘आज के समय में महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। लोग अपनी स्पेस चाहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि अब हम ऐसे समय में आ गए हैं, जहां लोग एक-दूसरे की स्पेस का सम्मान कर रहे हैं और समझ भी रहे हैं, जहां वह एक-दूसरे को साथ में आगे बढ़ता हुआ देखना पसंद कर रहे हैं और साथ में उस सफर पर निकलना चाहते हैं। मुझे नहीं लगता है कि प्यार कभी बदलेगा।

तमिल रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज ‘लव’ में ऐश्वर्या लक्ष्मी और अर्जुन दास मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं।

यह सीरीज आधुनिक डेटिंग और रिश्तों की उलझनों पर आधारित है। इसकी कहानी कथा तारा कृष्णन (ऐश्वर्या लक्ष्मी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक डेटिंग प्लेटफॉर्म चलाती हैं और मानती हैं कि एल्गोरिदम से स्थायी रिश्ते बन सकते हैं। वहीं मैथ्यू जेबराज (अर्जुन दास) इसके विपरीत रिश्तों में सहजता और प्रवृत्ति पर भरोसा करता है। इन दोनों की अलग-अलग विचारधाराएं इन्हें एक 60-दिन की चुनौती के लिए आमने-सामने लाती हैं, जो प्यार और रिश्तों पर इनके नजरिए को परखती है।

‘अनुपमा’ के साथ दो साल पूरे करना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि, इशिता दीक्षित ने साझा किए अनुभव



विश्व केसरी■

मुंबई। धारावाहिक ‘अनुपमा’ में पिछले दो साल से ‘परी’ का किरदार निभा रही अभिनेत्री इशिता दीक्षित ने कहा कि यह उनके लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि और खास किया, जो जिज्ञासु, निडर और सच तक पहुंचे बिना रुकने वाली नहीं है और इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करना इस अनुभव को और भी खास बनाता है। मैं दर्शकों का निर्माण पार्थ किरण ठाकुर और जोशुआ शिरसाट ने किया है।

इतजार कर रही हूँ।

क्योंकि ‘अनुपमा’ के बाद मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई और यही सच है। इशिता ने कहा कि जब उन्होंने ‘परी’ का किरदार निभाना शुरू किया था, तब वह बहुत अलग थी और अब वह लड़की बहुत बदल गई है। इशिता ने कहा, ‘इस सफर में मैंने बहुत कुछ सीखा है। दो सालों में मैंने जो ग्रोथ दिखाई है, उससे मैं सच में खुश हूँ। आज मैं बिल्कुल अलग महसूस करती हूँ, सिर्फ ‘परी’ के तौर पर, बल्कि अपनी कला और एक एक्टर के तौर

पर भी मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं और जब आप सेट पर इतने सारे सैनियर एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो आप उन्हें देखकर, उनके काम करने के तरीके को समझकर और उनके साथ सीन करके लगातार सीखते रहते हैं।’

इशिता ने बताया, ‘यह मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा है और मुझे उम्मीद है कि यह ऐसे ही चलता रहेगा। देखते हैं कि ‘परी’ और मैं कब तक साथ रहते हैं, लेकिन सच कहूँ तो, मैं चाहूंगी कि यह सफर लंबा चले क्योंकि मैं अधिक से अधिक समय तक ‘परी’ का किरदार निभाना चाहती हूँ।’

इशिता ने कहा, ‘अब तक, वह (परी) मेरी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। जब आप इतने सालों तक कोई किरदार निभाते हैं, तो कभी-कभी आप भूल जाते हैं कि असल जिंदगी क्या है और रील लाइफ क्या। पहले, हर इंटरव्यू में मैं कहती थी कि परी और मुझमें कोई समानता नहीं है। लेकिन दो साल बाद, मुझे लगता है कि हममें काफी समानताएं आ गई हैं।’

एक्ट्रेस ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, ‘कहीं न कहीं, मेरे असली रूप और परी के बीच का फर्क मिटने लगा है क्योंकि मैं इतने लंबे समय से उसके साथ रही हूँ।’

‘रिपोर्टिंग लाइव’ का ट्रेलर आया सामने, रेत माफिया के खिलाफ जंग लड़ेंगी परिणीति चोपड़ा



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आगामी थ्रिलर फिल्म ‘रिपोर्टिंग लाइव’ में नजर आएंगी। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह फिल्म अवैध रेत खनन और रेत माफिया के खतरनाक नेटवर्क पर आधारित

है।

2 मिनट 2 सेकंड का यह ट्रेलर एक ऐसी दुनिया को झलक दिखाता है, जहां अवैध रेत खनन का काला कारोबार फैला है और इस धंधे की तह में जाने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ती है। एक जानलेवा हादसे के बाद, एक महत्वाकांक्षी

रिपोर्टर (परिणीति चोपड़ा) और कैमरामैन (देवेन भोजानी) कुछ ऐसे तीखे सवाल उठाने लगते हैं, जिनका जवाब ताकतवर लोग नहीं देना चाहते। लेकिन वे इस मामले की तह में जितना उतरते हैं, यह दुनिया उनके लिए उतनी ही खतरनाक होती जाती है।

हर जवाब एक नया सवाल खड़ा करता है और हर सुराग के साथ एक नया खतरा सामने आता है।

इस फिल्म का निर्देशन ध्रुव त्रिपाठी ने किया है और यह बतौर निर्देशक उनकी पहली फीचर फिल्म है। इसमें परिणीति चोपड़ा (एक फील्ड रिपोर्टर के रूप में) और देवेन भोजानी (कैमरामैन के रूप में) मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

मिहिर जाधव और ध्रुव त्रिपाठी द्वारा लिखी गई ‘रिपोर्टिंग लाइव’ और भी खास बनाता है। मैं दर्शकों का निर्माण पार्थ किरण ठाकुर और जोशुआ शिरसाट ने किया है।

‘रिपोर्टिंग लाइव’ 9 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

फिल्म में अभिनेत्री पहली बार पत्रकार का किरदार निभा रही हैं। इस किरदार को निभाने के बारे में बात करते हुए परिणीति चोपड़ा ने कहा, ‘इस साल थ्रिलर जॉनर में नेटफ्लिक्स के साथ यह मेरी दूसरी पारी है, लेकिन एक नए अवतार में। रिफ्रूट पढ़ने के बाद ही मैंने इस किरदार के जज्बे से जुड़ाव महसूस किया, जो जिज्ञासु, निडर और सच तक पहुंचे बिना रुकने वाली नहीं है और इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करना इस अनुभव को और भी खास बनाता है। मैं दर्शकों का निर्माण पार्थ किरण ठाकुर और जोशुआ शिरसाट ने किया है।

रीमेक का टैग नहीं चाहता था, ‘दृश्यम 3’ पर बोले डायरेक्टर अभिषेक पाठक

विश्व केसरी■

मुंबई। निर्देशक अभिषेक पाठक की आइकॉनिक फ्रेंचाइजी ‘दृश्यम 3: द कन्क्लूज’ सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। निर्देशक का कहना है कि सीक्वल बनाते वक्त उनकी कोशिश थी कि पुरानी फिल्मों की बारीकियों को बनाए रखते हुए एक नई कहानी पेश की जाए।

अभिषेक पाठक ने बताया कि फिल्म की कहानी कई परतों वाली है, इसलिए उन्हें पिछली फिल्मों को फिर से देखना पड़ा था ताकि यह साफ हो सके कि हर डायलॉग और सीन का कोई मतलब है। उन्होंने कहा, ‘‘दृश्यम 3: द कन्क्लूज’’ की कहानी लिखते समय भी हम बार-बार पिछली फिल्मों के छोटे से डायलॉग या सीन को देखा करते थे और सोचते थे कि इसे पिछली कहानी से कैसे कनेक्ट किया जा सके। मैं इस बात को लेकर बहुत सजग था कि हमारे दर्शक पहले से ही ‘‘दृश्यम’’ और ‘‘दृश्यम-2’’ देख चुके हैं, तो



वे इसकी कहानी से अच्छे वाकिफ हैं।’

को पुरानी यादों का एहसास हो और लगे कि सारे हिस्से आपस में जुड़े हुए हैं। साथ

ही मैं इस बार रीमेक का टैग नहीं चाहता था, क्योंकि कहीं न कहीं मुझे इस बात का अंदाजा था कि जब आप कुछ ऐसा बनाते हैं, जो पहले से ही मौजूद है तो लोग हिंदी वर्जन में बनी फिल्म की मेहनत को नजरअंदाज करते हैं।’

निर्देशक ने कहा, ‘‘मैं इसे सच में अपने तरीके से लिखना चाहता था। कहानी को अपने अंदाज में आगे ले जाना चाहता था और आखिरी भाग का अपना वर्जन बनाना चाहता था। हम लगातार स्क्रीनप्ले को लेकर बहस करते थे। अगर कुछ अंदाजा लगाने लायक लगता था तो हम कहते थे कि इसे कोई भी समझ सकता है। इस प्रोसेस ने हमें कहानी को जटिल बनाए रखने में मदद की, बिना दर्शकों को खोए।’

निर्देशक अभिषेक पाठक की मेहनत की हर जगह तारीफ हो रही है। ‘‘दृश्यम 3: द कन्क्लूज’’ को दर्शकों से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

रावी गुप्ता ने बताया कैसे बदल गई टीवी इंडस्ट्री, बोलीं- पहले नकारात्मक किरदार को बिल्कुल बुरा दिखाते थे

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों लोकप्रिय सीरियल ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ के दूसरे सीजन में ‘दामिनी’ (गौतम विरानी की पत्नी) के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले की तुलना में आज काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है।

उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ी है और मुझे लगता है कि आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, ‘‘इंडस्ट्री में बदलाव आगे भी जारी रहेगा, खासकर तकनीक के मामले में। अगर मैं ‘‘क्योंकि सास भी बहू की

तुलना-2’’ की तुलना पहले शो से करूँ, तो दोनों की तकनीक में जमीन-आसमान का फर्क है।’

अभिनेत्री ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, ‘‘मेरा किरदार खुद ही एक सरप्राइज है। लोगों को लगा था कि दामिनी निगेटिव होगी, क्योंकि पिछले सीजन में मैंने निगेटिव रोल किया था। सबको लगा कि वह कुछ गलत करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। असल में वह एक आम औरत है, जिसकी अपनी परेशानियाँ हैं। वह ज्यादा ड्रामा नहीं करती और यही इस किरदार को खास बनाती है।’

अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले अब उन्हें डेली सोप में

बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, ‘‘पहले के समय में निगेटिव रोल को बिल्कुल बुरा ही दिखाते थे, जैसे कि उनमें कुछ चीज को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता था। खासकर महिलाओं के मामले में, अगर किरदार पॉजिटिव है, तो उसे देवी बना दिया जाता था, लेकिन अब मुझे बदलाव नजर आ रहा है। डेली सोप में भी अब किरदारों में गहराई देखने को मिल रही है, जो कि अच्छा बदलाव है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘‘एक समय था जब डेली सोप को लेकर बहुत बन गई थी कि महिलाओं को हमेशा दबा हुआ दिखाया जाता था।

जी20 व्यापार मंत्रियों ने भोजन को हथियार बनाने की निंदा की, जबरन मजदूरी पर नहीं बनी सहमति

विश्व केसरी■
मिल्वौकी। जी20 के व्यापार मंत्रियों ने राजनीतिक या आर्थिक दबाव के लिए भोजन को हथियार बनाने की सर्वसम्मति से निंदा की है। खास बात यह है कि ये इस बैठक में बनी एक दुर्लभ आम सहमति है, क्योंकि जबरन श्रम, औद्योगिक अति-क्षमता और वैश्विक व्यापार नियमों के भविष्य जैसे मुद्दों पर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच मतभेद सामने आए हैं।

यह समझौता अमेरिका की अध्यक्षता में मिल्वौकी में दो दिन तक चली जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हुआ। मंत्रियों ने भोजन को हथियार बनाने का मतलब बताया कि जब कोई सरकार जानबूझकर किसी दूसरे देश से राजनीतिक फायदा लेने के लिए खाने-पीने की चीजों, खेती के सामान या खेती में इस्तेमाल होने वाली चीजों के व्यापार को धीमा कर दे, रोक दे या अपने फायदे के लिए मोड़ दे। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा, 'रचनात्मक चर्चा के



बाद, जी20 व्यापार मंत्रियों ने भोजन को हथियार बनाने की निंदा करने पर सहमति जताई, क्योंकि यह एक बड़ा मानवीय और आर्थिक खतरा है। ' उन्होंने कहा, 'दशकों से, भोजन, कृषि उत्पादों और कृषि इनपुट के व्यापार को आर्थिक या राजनीतिक कारणों से दबाव

बनाने के लिए हथियार बनाया गया है। यह लक्षित देशों में लोगों की आजीविका को खतरे में डालता है, प्रतिस्पर्धा को बिगाड़ता है और वैश्विक व्यापार प्रणाली में विश्वास को कमजोर करता है। ' सहमति वाले बयान में कहा गया कि इस तरह की कार्रवाइयां कृषि और खाद्य आपूर्ति

शृंखला को बाधित कर सकती हैं, खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल सकती हैं, खासकर कमजोर आबादी के लिए और किसानों की आजीविका को नुकसान पहुंचा सकती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि मंत्रियों ने दबाव बनाने वाली व्यापारिक कार्रवाइयों और वैध घरेलू उपायों के बीच फर्क किया। समझौते में कहा गया कि उनकी चिंता उन उपायों पर लागू नहीं होती जो पारदर्शी तरीके से अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपनाए गए हैं और वैध घरेलू नीतिगत उद्देश्यों (जिसमें खाद्य सुरक्षा भी शामिल है) को आगे बढ़ाने के लिए बनाए गए हैं। यह फर्क मिल्वौकी चर्चा के मुख्य मुद्दों में से एक था।

मंत्रियों ने खाने के मुद्दे पर सहमति बना ली, वे वैश्विक सप्लाई चेन से जबरन मजदूरी को खत्म करने पर सहमति नहीं बना पाए। अमेरिका, मैक्सिको और अर्जेंटीना ने इसके बजाय जबरन मजदूरी से बने सामानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए एक अलग बयान जारी किया।

अमेरिका ने 50 देशों के नागरिकों पर लगाया वीजा बॉन्ड, भारत को मिली छूट

विश्व केसरी■
वॉशिंगटन। अमेरिका ने 50 देशों की एक सूची जारी की है, जिनके नागरिकों को बिजनेस और टूरिस्ट वीजा के लिए 20,000 डॉलर तक का वीजा बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। इस नियम से भारत को बाहर रखा गया है यानी भारतीय पासपोर्ट धारकों को यह बॉन्ड नहीं देना होगा। हालांकि, दक्षिण एशिया के बांग्लादेश, भूटान और नेपाल इस सूची में शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को उन देशों की अपडेटेड लिस्ट जारी की, जिनके नागरिक अगर बी1/बी2 वीजा के लिए वाकी सभी शर्तें पूरी करते हैं, तो भी वीजा जारी किए जाने से पहले उन्हें बॉन्ड जमा करने के लिए कहा जा सकता है। इस प्रोग्राम के तहत, सूची में शामिल देशों में से किसी एक द्वारा जारी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले



आवेदक को 10,000 डॉलर, 15,000 डॉलर या 20,000 डॉलर का बॉन्ड जमा करना होगा। स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, इस रकम का फैसला वीजा इंटरव्यू के दौरान कांसुलर ऑफिसर करते हैं। यह नियम भारतीय पासपोर्ट धारकों पर लागू नहीं होता है। अमेरिकी विदेश विभाग की सूची के मुताबिक, बांग्लादेश और नेपाल पर यह नियम 21 जनवरी से, जबकि भूटान पर 1 जनवरी से लागू है। इस सूची में अफ्रीका, कैरेबियाई

क्षेत्र, मध्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र के कई देश भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह प्रोग्राम इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट की धारा 221(जी)(3) के तहत चलाया जा रहा है। इस कानून के तहत कांसुलर अधिकारी वीजा जारी करने से पहले आवेदक से बॉन्ड जमा करने के लिए कह सकता है। मौजूदा प्रोग्राम के अंतिम नियम के तहत शुरू किया गया, जो तीन अगस्त से लागू हुआ।

संक्षिप्त खबर

ईरान ने अमेरिकी प्रतिबंधों को बताया गैरकानूनी, इराक से उचित कदम उठाने की अपील

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के उन प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया, जिनके तहत वह ईरान और दूसरे देशों के बीच व्यापार और हवाई यातायात में रुकावट पैदा कर रहा है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने इराक से इन्हें हटाने के लिए उचित कदम उठाने की अपील की है। भारत में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में ईरानी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया साझा की। पोस्ट में लिखा, 'ईरान के इस्लामी गणराज्य का विदेश मंत्रालय अमेरिका की ओर से लगाए गए गैरकानूनी और अमानवीय प्रतिबंधों की निंदा करता है। कार्रण इसका ईरान और दूसरे देशों के बीच व्यापार और हवाई यातायात में रुकावट पैदा कर रही है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका के ये कदम संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ हैं। ये मानवाधिकारों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। साथ ही, ऐसे कदम देशों के बीच दोस्ताना रिश्तों, खासकर पड़ोसी देशों के संबंधों के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इस संबंध में विदेश मंत्रालय ने ईरान और इराक के लोगों के बीच ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों के साथ-साथ दोनों देशों के करीबी और भाईचारे वाले रिश्तों का जिक्र किया।

बिहार: सारण में बाढ़ प्रभावित इलाकों में एयर ड्रॉप से पहुंचाई जा रही राहत सामग्री

विश्व केसरी■
पटना। बिहार के सारण जिले में बाढ़ के कारण प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए एयर ड्रॉपिंग अभियान जारी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग ने गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टरों के माध्यम से राहत सामग्री पहुंचाने की विशेष व्यवस्था की है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, सारण के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टरों द्वारा अब तक 15 उड़ानें भरी जा चुकी हैं। इन उड़ानों के माध्यम से 5,600 से अधिक ड्राई राशन पैकेट एयर ड्रॉप किए गए हैं। इन पैकेटों में 28 टन से अधिक खाद्य सामग्री प्रभावित लोगों तक पहुंचाई गई है। विभाग के मुताबिक, बाढ़ और जलजमाव के कारण कई इलाकों में सड़क मार्ग से राहत सामग्री पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे में एयर ड्रॉपिंग के जरिए उन क्षेत्रों तक आवश्यक खाद्य सामग्री पहुंचाई जा रही है, जहां सामान्य आवागमन बाधित है। इसका उद्देश्य प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराना है। आपदा प्रबंधन विभाग और जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रभावित आबादी की आवश्यकता के अनुसार राहत सामग्री उपलब्ध कराने के लिए सड़क मार्ग के साथ-साथ वैकल्पिक माध्यमों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रशासन का लक्ष्य बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार तक जल्द से जल्द आवश्यक राहत और खाद्य सामग्री पहुंचाना है।

उपचुनाव की दौड़ के आखिरी चरण में स्टालिन मदुरंतकम में प्रचार करेंगे

विश्व केसरी■
चेन्नई। डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन मदुरंतकम में पार्टी उम्मीदवार परश्रमन के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करेंगे, क्योंकि 6 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान अपने अंतिम चरण में है। इस निर्वाचन क्षेत्र में पांच-तरफा मुकाबला हो रहा है और रविवार को प्रचार खत्म होने से पहले अलग-अलग पार्टियों के नेता अपना प्रचार तेज कर रहे हैं।

राजनीतिक नेता अपने उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने और मतदाताओं तक अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए मदुरंतकम में डेरा डाले हुए हैं।



स्टालिन की बैठक इस क्षेत्र में डीएमके के अंतिम प्रचार अभियान का हिस्सा है। रैली में पार्टी के कई पदाधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिसकी तैयारियां चल रही थीं। यह जनसभा डीएमके नेतृत्व को प्रचार खत्म होने से पहले मतदाताओं से अपील करने का एक और मौका देगी।

मैदान में कई उम्मीदवार होने के कारण, पार्टियां समर्थन मजबूत करने के लिए बचे हुए समय का पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं। मदुरंतकम और थारापुरम दोनों जगहों पर मंगलवार, 6 अक्टूबर को मतदान होगा।

इस हफ्ते दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार तेज हो गया है और वरिष्ठ नेता अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। एक साथ हो रहे उपचुनावों ने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक गतिविधियों को तेज कर दिया है। जैसे-जैसे प्रचार का समय अंतिम दिन की ओर बढ़ रहा है, पार्टी नेता दोनों सीटों का दौरा कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल, 700 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर समुद्र में गिरी

विश्व केसरी■
सोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार को पूर्वी सागर की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने इसकी जानकारी दी। यह मिसाइल ऐसे समय दागी गई है, जब दोनों देशों के बीच सीमा पर हाल ही में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। उस घटना में दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हुए थे।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने बताया कि सुबह करीब 6:30 बजे वोन्सान इलाके से मिसाइल लॉन्च किए जाने का पता चला। हालांकि, सेना ने यह नहीं बताया कि किस तरह की मिसाइल दागी गई थी।

जेसीएस के मुताबिक, मिसाइल ने समुद्र में गिरने से पहले 700 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय की।

दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि वह अमेरिका के साथ मिलकर मिसाइल की सही क्षमता और दूसरी जानकारी का



पता लगा रही है। जेसीएस ने कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका की खुफिया एजेंसियां शुरुआती दौर से ही इस लॉन्च पर नजर रख रही थीं और दोनों पक्षों ने इससे जुड़ी जानकारी साझा की।

दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा, 'हमारी सेना दक्षिण कोरिया-अमेरिका की मजबूत साझा रक्षा व्यवस्था के तहत उत्तर कोरिया की अलग-अलग गतिविधियों पर करीब से नजर रख रही है। किसी भी उकसावे का निर्णायक जवाब देने के लिए हमारी तैयारी और क्षमता बरकरार है। '

दक्षिण कोरियाई सेना ने मिसाइल का प्रकार नहीं बताया है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी जांच इस संभावना को ध्यान में रखकर भी की जा रही है कि यह मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल (एमआरबीएम) या इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) हो सकती है।

एक सरकारी सूत्र ने कहा, 'इस बात की संभावना है कि उत्तर कोरिया ने कम दूरी के लिए सेट करके आईआरबीएम दागी हो। '

‘लेखक गाँव’ में अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच का तेरहवाँ राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

विश्व केसरी■
देहरादून। अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच का 13 वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन लेखक गाँव, थाणों वैली, देहरादून (उत्तराखंड) में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। देहरादून और कई शहरों से आए साहित्यिक प्रेमियों की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। कार्यक्रम की शुरुआत 26 सितंबर को जन्म लिए लेखक, शिक्षाविद एवं समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर और वहीं पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती पर डॉ रीता दास राम ने उनकी स्मृति को नमन करते हुए की। तत्पश्चात सरस्वती वंदना गीता द्विवेदीजी ने गया। बतौर मुख्य अतिथि डॉ रमेश पोखरियाल निशंक थे। मंच की संस्थापिका डॉ. संतोष श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि डॉ प्रमिला वर्माजी ने इस सम्मेलन की वर्तमान और पहले होते रहे सम्मेलनों के विशेष



पहलुओं को सभी के समुख स्पष्ट किया। एवं विशेष मुद्दों की चर्चा की।

तत्पश्चात सात पुस्तकों में संतोष श्रीवास्तव (महाकुंभ), लता तेजेश्वर 'रेणुका': (गुल्लक अपनों का), पद्मा मोटवानी (मन और मनन), सुरेश पटवा (गलियारों में गूह, हिमालयी भोजनालय आदि विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लेखकों को लेखन के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश के लिए लेखक गाँव आने के लिए आमंत्रित कर भविष्य में लेखकों की भावी पीढ़ी के लिए भरोसा जताया।

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने लेखक गाँव की रूपरेखा रखी। इसे बसाया। उन्होंने कार्यक्रम में लेखक गाँव के निर्माण और विकास के विभिन्न पहलुओं का संज्ञान लिया। भीतरी खंडों में लेखक कुटीर, लेखक अतिथि गृह, स्पर्श हिमालय शिविर, संजीवनी वाटिका, विरासत गृह, हिमालयी भोजनालय आदि विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लेखकों को लेखन के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश के लिए लेखक गाँव आने के लिए आमंत्रित कर भविष्य में लेखकों की भावी पीढ़ी के लिए भरोसा जताया।

मध्य प्रदेश में भाजपा संगठन और सरकार में आपसी समन्वय नहीं : जीतू पटवारी

विश्व केसरी■
भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया है कि भाजपा के प्रदेश संगठन और सरकार के बीच समन्वय में नहीं है। देश के केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह राजधानी भोपाल के प्रवास पर हैं और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य की सरकार की स्थिति के साथ अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कई सवाल उठाए हैं।

जीतू पटवारी ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के भाजपा संगठन और सरकार के बीच आपसी समन्वय नहीं है। हालात यहां तक हैं कि मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने मंत्रियों के 15 दिन तक फोन ही नहीं उठाते हैं, वही मंत्री के विभाग के कारण बच्चों की मौत हो रही है।



छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने से 26 बच्चों की मौत हुई तो उसका राजनीतिक जिम्मेदार कौन है ? 100 से ज्यादा मौतें जहरीली शराब पीने से हुई हैं। यह जिम्मेदारी किसकी है ? आबकारी मंत्री ने क्या किया ? राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आदिवासियों की लाभार्थी योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। बीते 25 साल से मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार

है। इसके बावजूद सबसे ज्यादा बच्चे कुपोषण से मार रहे हैं। इसके लिए कौन सा मंत्री राजनीतिक रूप से जिम्मेदार है ? देश के गृह मंत्री से प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है। इंदौर के भगीरथपुरा में दूधित पानी से हुई मौत की चर्चा करते हुए कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने कहा कि इंदौर में दूधित पानी पीने से 36 लोगों की मौत हुई तो इस पर राजनीतिक जिम्मेदारी आखिर किसकी है। केंद्रीय गृह मंत्री को मुख्यमंत्री, मंत्री और संगठन से यह सवाल करना चाहिए और उत्तर देकर जाएं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार का कैसर राज्य के हर घर को प्रभावित कर रहा है; यह लूट का पैसा आखिर कहां जा रहा है। इसका उत्तर भी जनता चाहती है।

राजौरी में 17 साल की लड़की ने पार की एलओसी

विश्व केसरी■
जम्मू। राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करने के बाद, भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) की एक 17 साल की लड़की को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना ने पीओजेके की एक 17 साल की लड़की को तब पकड़ा, जब वह एलओसी पार करके राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में आ गई थी।

लाम सेक्टर में तैनात सेना के जवानों ने रूटीन निगरानी के दौरान एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद जवानों ने लड़की को रोका और शुरुआती पकड़ी गई नाबालिग की पहचान पीओजेके के खुड्रेटा निवासी मोहम्मद अजीम की बेटी एस. अजीम के तौर पर

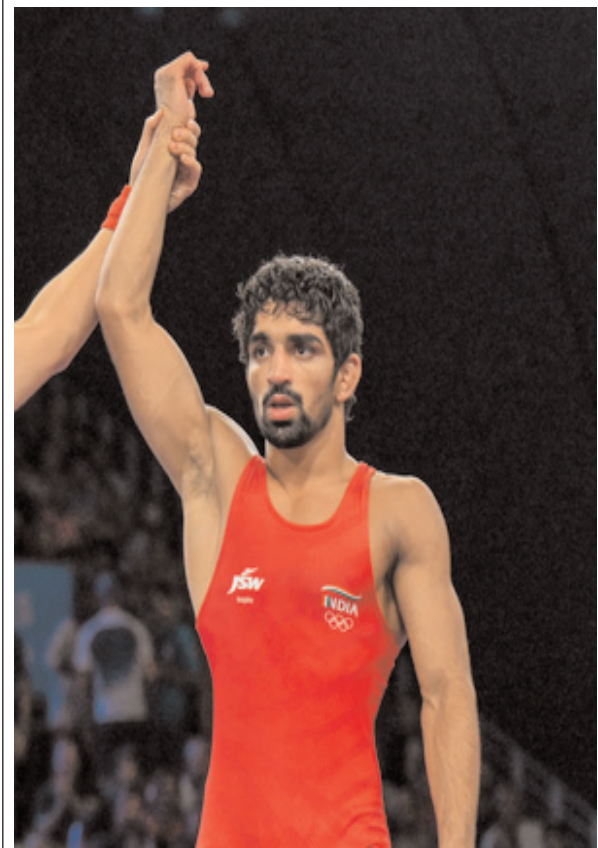


हुई है। शुरुआती पूछताछ के बाद, सेना के अधिकारी एलओसी के पास स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। अभी नौशेरा पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। शुरुआती पूछताछ के दौरान, लड़की ने कहा कि वह अनजाने में एलओसी पार करके भारतीय इलाके में आ गई थी। अधिकारी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का

निर्धारित क्रासिंग पॉइंट के जरिए पाकिस्तान वापस भेज दिया जाता है एलओसी पर तैनात जवान निगरानी नेटवर्क का इस्तेमाल करके क्रासिंग का पता लगाते हैं और ऐसे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयम बरतते हैं। उस व्यक्ति को हिरासत में लिया जाता है, भारतीय सेना शुरुआती पूछताछ करती है, और फिर उसे स्थानीय पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया जाता है ताकि यह पता चल सके कि घुसपैठ अनजाने में हुई थी या भारत में आने के पीछे कोई गलत मकसद था।

इसके बाद भारतीय सेना तय हॉटलाइन और फ्लैग मीटिंग के जरिए पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों से संपर्क करती है। वापसी की प्रक्रिया आमतौर पर निर्धारित एलओसी क्रासिंग और बॉर्डर पॉइंट पर होती है।

रेसलर अमन सहरावत ने देश को दिलाया गोल्ड



विश्व केसरी ■ एशियन गेम्स 2026 में भारतीय रेसलर अमन सहरावत ने देश की झोली में एक और गोल्ड मेडल डाला है। अमन ने 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अमन ने रोमांचक फाइनल मैच में वर्ल्ड चैंपियन चोंग-सोंग को 11-7 से हराया। अमन ने

को साउथ कोरियाई पहलवान और वर्ल्ड चैंपियन चोंग-सोंग से कड़ी टक्कर मिली। मैच में अमन पहला प्वाइंट अर्जित करने में सफल रहे। मुकाबले में हुए इंजरी ब्रेक के बाद अमन के खेल में ज्यादा आक्रामकता नजर आई और उन्होंने अपनी बढ़त को 6-1 कर लिया। हालांकि, इसके बाद चों-सोंग ने मुकाबले में वापसी की। चोंग ने न सिर्फ अमन की बढ़त को खत्म किया, बल्कि खुद मैच में लीड हासिल कर ली। मैच के आखिरी एक मिनट में अमन ने एक बार फिर मुकाबले का रुख पलटा और उन्होंने शानदार दांव लगाते हुए चोंग-सोंग के खिलाफ महत्वपूर्ण बढ़त बना ली। अमन ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को अपने दांव से पहले पूरी तरह लॉक किया और फिर उन्हें पलटने के साथ ही चार अहम



प्वाइंट्स हासिल किए। अमन का यह दांव निर्णायक साबित हुआ और वह फाइनल मुकाबले को 11-7 से अपने नाम करने में सफल रहे। अमन सेमीफाइनल में वापसी करते हुए जीत के साथ फाइनल में पहुंचे थे। भारतीय खिलाड़ी ने दिन की शुरुआत जापान के यामातो ओगावा पर 20-9 की 'तकनीकी श्रेष्ठता' वाली जीत के साथ की थी और फिर क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के नुरदानत ऐतानोव को 12-1 से हराया था। ताजिकिस्तान के आयाल बेलोल्युब्स्की के खिलाफ सेमीफाइनल में अमन पहले राउंड के बाद 2-6 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए दूसरे राउंड में 12 प्वाइंट बनाए और सिर्फ दो प्वाइंट गंवाकर 14-8 से जीत हासिल की।

प्रणवी ने गोल्फ में भारत को दिलाया स्वर्ण पदक, महिला टीम ने जीता सिल्वर

विश्व केसरी ■ दीक्षा ड़ागर संयुक्त 23वें स्थान पर रहीं। उन्होंने चौथे दिन '7-ओवर पार' का स्कोर बनाया और उनका कुल स्कोर 12-ओवर रहा। चीन की यिन रुओनिंग और सिंगापुर की शैनन टैन ने '14-अंडर पार' पर रहने के कारण संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल जीता। प्रणवी आखिरी दिन दूसरे स्थान पर चल रही टैन से तीन स्ट्रोक की बढ़त के साथ उतरी थीं। तीसरे होल पर उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा, जहां उन्होंने 'ट्रिपल बोगी' की, जिससे वह दूसरे स्थान पर खिसक गईं। इसके बाद प्रणवी ने छठे, 10वें और 13वें होल पर तीन 'बर्डी' के साथ वापसी की और स्थान पर रहीं। उन्होंने आखिरी दिन 3-अंडर 67 का स्कोर बनाया और टूर्नामेंट का समापन 2-ओवर 282 के कुल स्कोर के साथ किया। वहीं,

करते हुए जश्न मनाने का मौका दिया। टीम ने चार दिनों में कुल 14-अंडर 246 का स्कोर बनाया। इस प्रदर्शन के दम पर भारत ने एशियन गेम्स के महिला टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। खास बात यह है कि महिला टीम स्पर्धा में एशियन गेम्स इतिहास का यह गोल्फ में भारत का पहला मेडल है।



कुमकुम मोहोद ने रिकर्व महिला इंडिविजुअल में ऐतिहासिक गोल्ड जीता



विश्व केसरी ■ ओकाजाकी। 17 साल की कुमकुम मोहोद शनिवार को दक्षिण कोरिया की येजिन ओह को शूट-आफ में हराकर एशियन गेम्स के इंडिविजुअल रिकर्व इवेंट में कोई भी मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। पांच सेट के बाद फाइनल 5-5 से बराबर होने के बाद भारतीय टीनेजर ने 6-5 से जीत हासिल की। गोल्ड मेडल का फैसला एक ही तीरे से हुआ। ओह ने 8 का स्कोर किया, जिसके बाद कुमकुम ने 10 का स्कोर करके टाइल पक्का कर लिया। इस जीत से भारत को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक गेम्स के

मलेशिया को 5-1 से रौंदकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जीता गोल्ड, हासिल किया ओलंपिक टिकट

विश्व केसरी ■ काकामिगहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में मलेशिया के खिलाफ 5-1 से जीत दर्ज करते हुए ऐतिहासिक गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने एलए 2028 ओलंपिक का टिकट भी अपने नाम कर लिया। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा। 11वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, 14वें मिनट में मलेशिया के शैली सिल्वरियस ने फोल्ड गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 23वें मिनट में जुगराज सिंह ने एक बेहतरीन पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए बढ़त को 2-1 कर दिया। हाफ टाइम के बाद 42वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनाल्टी स्ट्रोक को शानदार तरीके से गोल में तब्दील किया। इसके बाद 54वें मिनट में



शिलानंद लाकड़ा ने एक फील्ड गोल दागा और अंततः 57वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने अपना दूसरा गोल पेनाल्टी कॉर्नर से करते हुए मलेशिया की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक है। भारतीय टीम ने एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार अपने गोल्ड मेडल का सफलतापूर्वक बचाव किया। इससे

पहले हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2022 का गोल्ड भी अपने नाम किया था। यह एशियन गेम्स के अलग-अलग संस्करणों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कुल 5वां गोल्ड मेडल है। देश ने साल 1966, 1998, 2014, 2022 और 2026 में यह खिताब जीता है। एशियन गेम्स में पहली बार पुरुष और महिला दोनों टीमों ने

नीरज ने व्यक्तिगत रिकर्व इवेंट में जीता कांस्य पदक

विश्व केसरी ■ स्कोर करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। शुरुआत 8 के स्कोर के साथ की, जबकि नीरज ने 10 का स्कोर किया। धीरज ने सुधार करते हुए दो बार 10 का स्कोर किया और आखिरी सेट में कुल 28 प्वाइंट बनाए। नीरज को ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए 19 अंकों की जरूरत थी। उन्होंने अपने आखिरी दो तीरों पर 9 और 10 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। दोनों तीरंदाजों ने इससे पहले मिक्सड और टीम इवेंट में मेडल जीते थे। धीरज ने मिक्सड इवेंट के फाइनल में कुमकुम मोहोद के साथ सिल्वर मेडल जीता था, जहां उन्हें गोल्ड मेडल के मुकाबले में चीन से हार मिली थी। इसके अलावा, धीरज ने नीरज और यशदीप भोग के साथ टीम सिल्वर मेडल भी जीता था। फाइनल में उन्हें साउथ कोरिया से हार का सामना करना पड़ा और वे गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए। इन खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है।

श्रीलंका की पुरुष क्रिकेट टीम ने जीता कांस्य पदक, बांग्लादेश को 63 रन से हराया

विश्व केसरी ■ निशिन। श्रीलंका की पुरुष क्रिकेट टीम ने शनिवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में बांग्लादेश को 63 रन से हरा दिया। सेमीफाइनल में भारत से हारने वाली श्रीलंका ने बांग्लादेश को गेंदबाजी और बल्लेबाजी, दोनों विभागों में पछड़ते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। श्रीलंका की जीत में थारिंडु रत्नायके का शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन अहम रहा। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने अपने शुरुआती 4 विकेट महज 18 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद पांचवां विकेट 54 के स्कोर पर गिरा। इस समय श्रीलंका की स्थिति बेहद खराब थी और बांग्लादेश मुकाबले में हावी था। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थारिंडु रत्नायके ने पूरा खेल पलट दिया। रत्नायके ने 32



गेंदों पर 5 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 65 रन की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान रत्नायके ने कप्तान सहान अराचिगे के साथ छठे विकेट

के लिए 93 रन की अहम साझेदारी महज 44 गेंदों पर की और टीम की जोरदार वापसी कराई। रत्नायके के आउट होने के साथ ही यह साझेदारी टूटी। कप्तान सहान ने 37 गेंदों पर 33 रन की पारी खेली। इसके अलावा आशेन बंडारा ने 18 रन बनाए। श्रीलंका ने 20 ओवर में 9

विकेट पर 165 रन बनाए थे। बांग्लादेश के लिए महेदी हसन, सैफ हसन और मुस्तफिजुर रहमान ने 2-2, जबकि अलीस अल इस्लाम और रिशाद हुसैन ने 1-1 विकेट लिए। 166 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की बल्लेबाजी एक बार फिर निराशाजनक रही। पूरी टीम 17.3 ओवर में 102 रन पर सिमट गई और 63 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई। बांग्लादेश के शीर्ष तीन बल्लेबाजों सहित 4 खिलाड़ी अपना खता भी नहीं खोल सके। सर्वाधिक 26 रन नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए नसूम अहमद ने बनाए। यासिर अली ने 21 और परवेज हुसैन इमोन ने 20 रन बनाए। श्रीलंका के लिए नुवान थुसारा, थारिंडु रत्नायके, विजयकांत व्यासकांत और वाजुजा सहन ने 2-2 विकेट लिए। कप्तान सहान अराचिगे और दुशान हेमंथा को 1-1 विकेट मिला।

रेसलर दीपक पूनिया ने 97 किग्रा कुश्ती में देश के लिए जीता कांस्य पदक

विश्व केसरी ■ नागोया। भारतीय रेसलर दीपक पूनिया ने शनिवार को 'एशियन गेम्स 2026' में मंस फ्रीस्टाइल 97 किग्रा कुश्ती इवेंट में मंगोलिया के गनखुयाग गनबातार को 2-1 से मात देकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। एशियन गेम्स 2023 में पुरुषों की 86 किलोग्राम कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतने वाले दीपक ने शनिवार को एक कड़े और कम स्कोर वाले मुकाबले में संयमित प्रदर्शन करते हुए अपने मेडल टैली में एक और मेडल जोड़ा। भारतीय पहलवान ने शुरुआत में दो प्वाइंट्स हासिल किए और गनबातार के खिलाफ अपनी बढ़त बनाए रखी। वे तीसरे स्थान पर रहे और कुश्ती में भारत के मेडल की संख्या बढ़ाई। दीपक ने शुरुआती दौर में दो प्वाइंट्स बनाए और दूसरे दौर में एक प्वाइंट गंवाने के बावजूद अच्छा बचाव करते हुए जीत हासिल की। दीपक ने चीन के झोउ जुनपेंग पर 12-2 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।



इसके बाद वे बिना क्वार्टरफाइनल खेले ही सेमीफाइनल में पहुंच गए, क्योंकि हांगकांग के ली जुई फंग विसेंट मुकाबले के लिए नहीं आए। सेमीफाइनल में, दीपक का मुकाबला उज्बेकिस्तान के शेरजोड पोयो नोव से हुआ। भारतीय पहलवान ने कड़ी टक्कर दी लेकिन आखिरकार 8-9 से हार गए, जिससे उन्हें ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में खेलना पड़ा। उन्होंने शानदार वापसी करते हुए गनबातार को हराया और प्रतियोगिता का समापन पोडियम पर किया। दीपक का ब्रॉन्ज मेडल एशियन गेम्स के इतिहास में पुरुषों की फ्रीस्टाइल 97 किग्रा कैटेगरी में

किसी भारतीय पहलवान द्वारा जीता गया पांचवां मेडल है। इस कैटेगरी में भारत का पहला मेडल मारुति माने ने जीता था, जिन्होंने 1962 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल हासिल किया था। उसी संस्करण में गणपत अंदलकर ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि विश्वनाथ सिंह ने 1966 में एक और सिल्वर मेडल जीता। इसके बाद भीम सिंह ने 1966 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इस ब्रॉन्ज मेडल ने इन गेम्स में भारतीय पुरुषों की फ्रीस्टाइल रेसलिंग के लिए एक यादगार दिन को और भी खास बना दिया है।

यूजर डेटा सुरक्षा को लेकर एप्पल अलर्ट



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। टेक कंपनी एप्पल ने कहा है कि वह मैक कंप्यूटर पर फुल डिस्क एक्सेस (पूरे डिस्क का एक्सेस) को लेकर नियंत्रण ज्यादा सख्त करेगी। यह फैसला एआई एजेंट ऐप्स को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद लिया गया है, जिसमें मेटा के 'म्यूज' जैसे ऐप्स पर यूजरस के निजी डेटा तक पहुंचने के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ एआई एजेंट ऐप्स को जब पूरे

डिस्क तक पहुंच की अनुमति दी जाती है, तो वे मैसेज से लेकर फाइलों तक लोकल डेटा का बड़ा हिस्सा पढ़ लेते हैं। यह अनुमति असल में बैंकअप और सिस्टम यूटिलिटी के लिए बनाई गई थी। एप्पल ने कहा है कि वह अब ज्यादा स्पष्ट प्रॉम्प्ट लाएगा, ताकि किसी ऐप को इतनी बड़ी पहुंच देने से पहले यूजरस को साफ तौर पर और सोच-समझकर एक्शन लेना पड़े। कंपनी ने कहा कि ऐसे प्रॉम्प्ट

में मैक यूजरस से साफ तौर पर पूछा जाएगा कि क्या वे किसी थर्ड-पार्टी ऐप को अपने सिस्टम के किसी खास हिस्से तक पहुंच देना चाहते हैं। एप्पल ने अपने बयान में कहा, 'हम डेवलपर्स को एप्पल प्रोडक्ट्स के लिए ऐप्स में शानदार क्षमताएं बनाने के लिए पावरफुल एपीआई देते हैं, जिसके पीछे यूजरस के निजी डेटा की सुरक्षा के लिए बनाए गए कंट्रोल्स होते हैं। पूरे डिस्क का एक्सेस इन

कंट्रोल्स को काफी हद तक बायपास कर देता है, ताकि बैंकअप ऐप्स मैक पर ठीक से काम कर सकें।' कंपनी ने कहा कि कुछ डेवलपर्स पूरे डिस्क के एक्सेस का इस्तेमाल ऐसे तरीकों से कर रहे हैं जो यूजरस को खतरे में डाल सकता है, और बिना यूजरस की पूरी जानकारी और समझ के उनके सिस्टम की हर चीज को एक्सपोज कर रहा है। एप्पल ने कहा, 'कम्पनिकेशन ऐप्स के लिए, यह उन लोगों की प्राइवेसी को भी खतरे में डाल सकता है जिनसे यूजरस बात कर रहे हैं।' अमेरिकी कंपनी ने कहा कि जैसे-जैसे एआई एजेंट ज्यादा सक्षम और ऑटोनॉमस होते जाएंगे, फुल डिस्क एक्सेस से

जुड़े जोखिम काफी बढ़ जाएंगे। कंपनी ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि यूजरस ऐसी पहुंच देने से पहले इन जोखिमों को स्पष्ट रूप से समझें, ताकि वे अपने डेटा और प्राइवेसी के बारे में सोच-समझकर फैसला ले सकें।' बता दें कि मेटा के म्यूज जैसे एआई एजेंट ने हाल ही में 50 लाख से ज्यादा डाउनलोड पूरे किए हैं, और यूजरस ने शिकायत की है कि यह बिना इस्तेमाल वाले सब्सक्रिप्शन को कैसिल करने जैसे जटिल काम तो करता है, लेकिन साथ ही यूजरस के प्राइवेट मैसेज तक भी पहुंच जाता है। एप्पल ने हाल ही में भारत में एप्पल पे लॉन्च किया है, जिससे एक ऐसे बाजार में कंपनी का इकोसिस्टम मजबूत होगा।



योग में आसनों का क्रम है जरूरी, पश्चिमोत्तानासन के बाद करें ये दो आसन



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। योग अभ्यास का मूल सिद्धांत केवल आसनों को करना ही नहीं बल्कि, उनके उचित क्रम और संतुलन को बनाए रखना है। उद्धित पश्चिमोत्तानासन शरीर के पिछले हिस्से में गहरा खिंचाव लाता है और पेट की मांसपेशियों को एक्टिव करता है। इस आसन के बाद शरीर को आराम देने के लिए मकरासन और भुजंगासन करना जरूरी है। मकरासन शरीर को तुरंत शिथिलता और विश्राम देता है, वहीं भुजंगासन रीढ़ को मजबूती और लचीलापन प्रदान करता है। मकरासन- योगाभ्यास में उद्धित पश्चिमोत्तानासन (एक तीव्र आगे की ओर झुकने और संतुलन

बनाने वाला आसन है) के बाद मकरासन (पेट के बल लेटकर आराम करने वाला आसन) करना रीढ़ की हड्डी के संतुलन, मांसपेशियों की रिकवरी और तंत्रिका तंत्र को शांत करने के लिए बहुत जरूरी माना जाता है। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के अनुसार, उद्धित या निरालम्ब पश्चिमोत्तानासन के बाद मकरासन का अभ्यास मुख्य रूप से एक काउंटर-पोज और शिथिलीकरण के रूप में किया जाता है, जब आप शरीर को एक दिशा में गहराई से मोड़ते हैं, तो उसके विपरीत दिशा में किया जाने वाला आसन शरीर को वापस सामान्य स्थिति में लाता है।

उद्धित पश्चिमोत्तानासन में रीढ़ की हड्डी और पीठ की मांसपेशियों पर आगे की तरफ एक गहरा और तीव्र खिंचाव आता है। इसके ठीक बाद मकरासन करने से आराम मिलता है, जिससे रीढ़ की हड्डी की प्राकृतिक संरचना संतुलित बनी रहती है और उसकी जकड़न दूर होती है। भुजंगासन - उद्धित पश्चिमोत्तानासन एक तीव्र फॉरवर्ड बेंड (आगे की ओर झुकने वाला आसन) है, जिसमें रीढ़ की हड्डी आगे की ओर पूरी तरह खिंची होती है। भुजंगासन एक बैकबेंड (पीछे झुकने वाला आसन) है। जब अभ्यासकर्ता आगे झुकने के बाद पीछे झुकते हैं, तो रीढ़ की हड्डी के जोड़ों और मांसपेशियों पर पड़ दबाव तुरंत दूर हो जाता है और वह अपनी प्राकृतिक स्थिति में वापस आ जाती है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, उद्धित पश्चिमोत्तानासन करने से पेट के अंगों पर दबाव बनता है, जिससे पाचन अंगिन तीव्र होती है। भुजंगासन उसी दबाव को विपरीत खिंचाव देकर पेट के अंगों (जैसे लिवर, किडनी और आंतों) की टोनिंग पूरी करता है। इससे कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में दौगुना लाभ मिलता है। अगर अभ्यासकर्ता लगातार आगे झुकने वाले आसन ही करते रहेंगे और उसके काउंटर (पीछे झुकने वाले) आसन नहीं करेंगे, तो रीढ़ की हड्डी के जोड़ों पर गलत दबाव पड़ सकता है।

रसोई का खजाना है दालचीनी, स्वाद ही नहीं सेहत के लिए भी है फायदेमंद

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारतीय रसोई में स्वाद और सुगंध बढ़ाने वाली दालचीनी सिर्फ एक मसाला नहीं, बल्कि आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधि के रूप में भी जानी जाती है। इसकी छाल का उपयोग सदियों से भोजन के साथ-साथ स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं में किया जाता रहा है। दालचीनी एक सदाबहार वृक्ष है, जिसकी ऊँचाई लगभग 15 से 20 मीटर तक होती है। इसका उपयोगी भाग इसकी सुगंधित छाल है, जिसे सुखाकर मसाले के रूप में उपयोग किया जाता है। श्रीलंका को असली दालचीनी का मूल स्थान माना जाता है, जबकि भारत के केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के पश्चिमी घाट क्षेत्रों में भी इसकी खेती की जाती है। आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में दालचीनी को गैम तासीर वाला माना गया है। इसको पाचन को बेहतर रखने में सहायक माना जाता है। यह पेट में गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में पारंपरिक रूप से



उपयोग की जाती रही है। यह पाचक रसों के स्वाद को उत्तेजित करने में मदद करती है। दालचीनी में पॉलीफेनोल जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाते हैं। पारंपरिक रूप से दालचीनी को जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों की सूजन को कम करने में भी मददगार माना जाता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी

गुणों के कारण इसका उपयोग लेप और तेल के रूप में भी किया जाता है। सर्दी-जुकाम और खांसी में दालचीनी का काढ़ा या शहद के साथ इसका सेवन पारंपरिक रूप से काफी लोकप्रिय है। इसकी गर्म तासीर शरीर को गर्म रखने और सर्दी-खांसी से राहत दिलाने में सहायक मानी जाती है। दालचीनी हर घर की रसोई में आसानी से मिलने वाला मसाला

है। पुलाव, बिरयानी, चाय, कढ़वा और मिठाइयों में इसका उपयोग स्वाद और खुशबू के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में इसे त्रिदोष शामक माना गया है, खासकर कफ और वात को संतुलित करने के लिए इसका उल्लेख मिलता है। हालांकि दालचीनी के कई पारंपरिक लाभ बताए जाते हैं, लेकिन इसका उपयोग संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए।

फाइबर से भरपूर थाली रखेगी आपको फिट, जानिए रोजाना कितनी मात्रा है जरूरी

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। सेहतमंद रहने के लिए सिर्फ भरपूर खाना जरूरी नहीं है, बल्कि संतुलित और पौष्टिक डाइट लेना बेहद जरूरी है। हमारी रोज की डाइट में फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करना हेल्दी ईटिंग प्लान का अहम हिस्सा है। फाइबर और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के साथ-साथ लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है। एक वयस्क को प्रतिदिन लगभग 25 से 35 ग्राम फाइबर की आवश्यकता होती है। ऐसे में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, दालें जैसी फाइबर वाली चीजों को डाइट में शामिल करना सेहत के

लिए फायदेमंद हो सकता है। नेशनल हेल्थ मिशन उत्तर प्रदेश ने भी रोजाना डाइट में फाइबर वाली चीजों को शामिल करने की सलाह दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अपनी रोज की डाइट में फाइबर वाली चीजें शामिल करना हेल्दी ईटिंग प्लान का एक जरूरी हिस्सा है। फल, सब्जियां, फलियां और साबुत अनाज इसके अच्छे स्रोत हैं। इन्हें रेगुलर खाने से पाचन और पूरी सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है। फलों में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर होते हैं, जो कब्ज को रोकते हैं और पेट को साफ रखते हैं।

नियमित तौर पर खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती और वजन काबू में रहता है। थाली में सब्जियों का होना इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह पाचन क्रिया को सुधारी हैं। ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखती हैं तथा पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराती हैं। फाइबर रक्त में ग्लूकोज के स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है। दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत होता है। दालों में घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह का फाइबर होता है।

अंगूठे से जोड़ने वाला आसन आधुनिक योगासन है, इसलिए किसी भी प्राचीन हठ योग ग्रंथ में इस आसन के अभ्यास के बारे में कोई विस्तृत संदर्भ नहीं है। योग के कई आसनों में से एक है सुप्त पादांगुष्ठासन, जो दिखने में आसन लगता है लेकिन इसके फायदे बहुत गहरे हैं। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, सुप्त पादांगुष्ठासन महत्वपूर्ण योगासनों में से एक है, जिसके नियमित अभ्यास से शारीरिक लचीलेपन, रीढ़ को सेहत और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से प्रोत्साहित किया जाता है।

‘सजगता से करें अभ्यास, धैर्य से मिलेगी तरक्की’

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने योग करने वालों के लिए जरूरी के दौरान बताए गए दिशा-निर्देशों सलाह दी है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके बताया कि योग का अभ्यास हमेशा सजगता और धैर्य के साथ करना चाहिए। मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'जागरूकता के साथ अभ्यास करें और धैर्य के साथ आगे बढ़ें। एक माइंडफुल योग अभ्यास आपके शरीर के प्रति जागरूकता और सम्मान के साथ शुरू होता है। धीरे-धीरे अभ्यास करें, स्वाभाविक रूप से सांस लें, तनाव से बचें और अपनी क्षमता के अनुसार करें।' मंत्रालय ने माइंडफुल योग करते समय किन बातों का ध्यान रखना है, उसकी एक लिस्ट भी जारी की है। जारी लिस्ट के अनुसार- प्रार्थना के साथ योग

शुरू करें। धीरे-धीरे, कोमलता और जागरूकता के साथ आगे बढ़ें। नाक से स्वाभाविक रूप से सांस लें। जब तक निर्देश न दिया जाए, सांस रोकने से बचें। झटके, खिंचाव या शरीर पर जोर देने से बचें। हर अभ्यास के लिए बताए गए नियमों का पालन करें। ध्यान, मौन, संकल्प या शांतिपाठ के साथ खत्म करें। मंत्रालय ने माइंडफुल योग करते समय किन बातों का ध्यान रखना है, उसकी एक लिस्ट भी जारी की है। जारी लिस्ट के अनुसार- प्रार्थना के साथ योग

शुरू करें। धीरे-धीरे, कोमलता और जागरूकता के साथ आगे बढ़ें। नाक से स्वाभाविक रूप से सांस लें। जब तक निर्देश न दिया जाए, सांस रोकने से बचें। झटके, खिंचाव या शरीर पर जोर देने से बचें। हर अभ्यास के लिए बताए गए नियमों का पालन करें। ध्यान, मौन, संकल्प या शांतिपाठ के साथ अभ्यास खत्म करें। अपनी क्षमता के अनुसार ही अभ्यास करें। नियमित रहें और अपने अभ्यास में धैर्य रखें। बता दें कि माइंडफुल यानी

सजगता के साथ योग का अभ्यास करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सजगता और सांसों पर ध्यान देने से कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन का स्तर कम होता है और मन शांत होता है। वर्तमान क्षण में रहने की आदत से मानसिक स्पष्टता बढ़ती है और फोकस मजबूत होता है। यह अभ्यास भावनाओं को कोमल बनाता है और आत्म-जागरूकता तथा भावनात्मक बुद्धिमत्ता में सुधार करता है।

शरीर को लचीला बनाता है सुप्त पादांगुष्ठासन

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में घंटों बैठकर काम करने से शरीर में अकड़न, कमर दर्द और पैरों में खिंचाव आम समस्या बन गई है। ऐसे में सुप्त पादांगुष्ठासन एक ऐसा उपाय है, जो पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करने, हैमस्ट्रिंग को मजबूत बनाने और शरीर का संतुलन बेहतर करने में मदद करता है। 'सुप्त पादांगुष्ठासन' संस्कृत शब्दों का संयोजन है, जिसमें 'सुप्त' का अर्थ 'लेटना', 'पाद' का अर्थ 'पैर', 'अंगुष्ठ' का अर्थ है 'अंगुठा' और 'आसन' का अर्थ है 'मुद्रा'। लेटकर हाथ को पैर के

अंगूठे से जोड़ने वाला आसन आधुनिक योगासन है, इसलिए किसी भी प्राचीन हठ योग ग्रंथ में इस आसन के अभ्यास के बारे में कोई विस्तृत संदर्भ नहीं है। योग के कई आसनों में से एक है सुप्त पादांगुष्ठासन, जो दिखने में आसन लगता है लेकिन इसके फायदे बहुत गहरे हैं। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, सुप्त पादांगुष्ठासन महत्वपूर्ण योगासनों में से एक है, जिसके नियमित अभ्यास से शारीरिक लचीलेपन, रीढ़ को सेहत और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से प्रोत्साहित किया जाता है।

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

Diwali Special Offer

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी खेपेर, खेपेर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता :

वीनस मशीनरी

विश्वकत बरत (अप्रे 2027)

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनैस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST ITR

फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट • फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants

C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं **9300755544, 8878655544**

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.

83700 09993

H.O.:

- Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

OUTLETS:

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997



श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

आपके स्वास्थ्य का भरोसा...

महीने के प्रत्येक सोमवार को फ्री ओपीडी

समय : शाम 6 बजे से 8 बजे तक

मेडिसिन विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine Diabetic & Geriatric Care)

उपलब्ध सेवाएँ:

- हाइपरटेंशन (मधुमेह) उपचार
- हाई ब्लड प्रेशर (रक्त प्रवाह)
- शर्करा/ग्लूकोज नियंत्रण
- हार्ड लिजिंग (हृदय संबंधी समस्याएँ)
- सिस्टर व फिजिओ थेरापी
- पेचकड़ी की समस्याएँ (असम, COPD)
- बुढ़ाप व दुर्बलता (सायरल, टायमोसाइड)
- पेट की समस्याएँ (रोग, अपच, एसिडिटी)
- सामान्य रोगों की जांच व उपचार
- न्यूरोलॉजिकल समस्या (रिगिडिटी, टॉरे आदि)

जनरल सर्जरी विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(M.S. General Surgery)

उपलब्ध सेवाएँ:

- पायलस (कमरी) का अपरेशन
- सिस्टर और फिस्टुला का उपचार
- हृदय सर्जरी (हृदयगल / कोमगल / हाइड्रोथोरैक्स)
- एपेंडिसाइटिस (अपेंडिसाइटिस) सर्जरी
- गैंग्रिनाइटिस सर्जरी
- गैंग्रिनाइटिस सर्जरी (गैंग्रिना सर्जरी) का अपरेशन
- बेस्ट सर्जरी / ट्यूमर सर्जरी
- विभिन्न ट्यूमर / सिस्टर / फिस्टुला फिस्टुला
- हाइड्रोसेल / वरिक्कोसेल सर्जरी
- लेजर एवं स्टेपलर की सहायता से साइज का इलाज

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

उपलब्ध सेवाएँ:

- कैंसर के रोगी
- टॉपोग्रेफि के रोगी
- इन्फेक्शन के रोगी
- हार्मोनी के रोगी
- विभिन्न कैंसरों का उपचार
- कैंसर की जांच व निदान

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, हमारा प्रयत्न जीवन बना सकना है।

शिविर विवरण

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(M.S. General Surgery)

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine Diabetic & Geriatric Care)

हमारी सुविधाएँ

- 24 घंटे अग्रिम सिरिज
- कैंसर रोगी के लिए 24 घंटे की अग्रिम सिरिज
- 24 घंटे की अग्रिम सिरिज
- 24 घंटे की अग्रिम सिरिज
- 24 घंटे की अग्रिम सिरिज

श्री साई केयर हॉस्पिटल

एक स्वस्थ परिवार ही और कदम बढ़ाएँ, आपका स्वास्थ्य ही आपकी सबसे बड़ी गति है।

मालगांव में 300 बाढ़ पीड़ितों को भोजन 70 परिवारों को राहत सामग्री वितरित

विश्व केसरी ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। क्षेत्रीय साहू समाज तेतरकुटी-जगदलपुर ने एक बार फिर सामाजिक दायित्व और मानव सेवा के लिये आगे आकर मानवता का परिचय दिया है। साहू समाज ने बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचायत मालगांव में एक दिवसीय वृहद बाढ़ राहत आपदा शिविर का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि विगत दिनों हुई अतिवृष्टि के कारण बस्तर जिले सहित मालगांव के निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई थी, जिससे कई दर्जनों कच्चे मकान पूरी तरह से ध्वस्त गए और उनका जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। इसी पीड़ा की घड़ी में क्षेत्रीय साहू समाज ने 2 अक्टूबर को मदद के लिये आगे आकर हाथ बढ़ाया।

बाढ़ प्रभावित लगभग 300 ग्रामीणों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों के लिए भोजन बनाकर सामूहिक रूप से भोजन कराया गया। 170 चिन्हित बाढ़ प्रभावित परिवारों को जीवन उपयोगी सामग्री के रूप में बर्तन, थाली-गिलास सेट, गर्म कंबल, साड़ी, टी-शर्ट का वितरण किया गया। बाढ़ के कारण बच्चों की किताबें-कॉपीयां खराब हो गई थीं, ऐसे स्कूली करीब 50 बच्चों को स्टेनरी किट वितरित की गई।

समाज के युवाओं एवं पदाधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित घरों का दौरा किया, घर-घर जाकर स्थिति का जायजा लिया, पीड़ित परिवारों से आत्मीय चर्चा कर उनका दुःख-दर्द बांटा और शासन से मिलने वाली सहायता के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत मालगांव की सरपंच कमला नाग ने कहा कि 'आपदा की घड़ी में क्षेत्रीय साहू समाज ने जो तत्परता दिखाई है, वह सभी सामाजिक संगठनों के लिए प्रेरणा है।' उपसरपंच झुमको नाग एवं जनपद सदस्य नमिता भोलानाथ नाग ने भी समाज के इस पुनीत कार्य को मुक्तकंठ से प्रशंसा की। प्रदेश साहू समाज युवा प्रकोष्ठ की संयुक्त सचिव अनुष्का साहू ने कहा, 'साहू समाज केवल सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि सेवा का पर्याय है। भक्त माता कर्मा और दानवीर भामाशाह के आदर्शों पर चलते हुए समाज हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़ा रहेगा। यह राहत नहीं, हमारा पारिवारिक कर्तव्य है।'

कंवर समाज ने डिप्टी कलेक्टर पंचारी व सहायक अभियंता कंवर को दी भावमीनी विदाई

विश्व केसरी ■ बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले में लंबे समय तक सेवाएं देने के बाद स्थानांतरित हुए वरिष्ठ डिप्टी कलेक्टर उत्तम सिंह पंचारी तथा सहायक अभियंता भुनेश्वर सिंह कंवर को शुक्रवार शाम कंवर समाज बीजापुर द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इंडियन कॉफी हाउस में आयोजित सादे एवं गरिमामय समारोह में समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने दोनों अधिकारियों का सम्मान कर उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम में समाज प्रतिनिधियों ने कहा कि दोनों अधिकारी कंवर समाज के सक्रिय एवं समाजहितैसी सदस्य रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान समाज और क्षेत्र के विकास में सहयोग, मार्गदर्शन तथा सकारात्मक भूमिका निभाई, जिसके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता है।

इस अवसर पर दोनों अधिकारियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। समाज की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य तथा नए दायित्वों में सफलता की कामना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तम सिंह पंचारी ने बीजापुर में बिताए अपने कार्यकाल के सुखद और चुनौतीपूर्ण अनुभवों को साझा किया। उन्होंने क्षेत्र के आमजन तथा कंवर समाज से मिले सहयोग, स्नेह और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं भुनेश्वर सिंह कंवर ने समाज में एकता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने बीजापुर के दुर्गम क्षेत्रों में दायित्वों के निर्वहन के दौरान आदिवासी समाज से मिले सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कंवर समाज के जिला अध्यक्ष कमलेश्वर सिंह पैकरा, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. तरुण सिंह कंवर, बुद्धेश्वर सिंह पैकरा, रितेशेश्वर कंवर, दीपक साय, श्रेयांश पैकरा, आशीष पदमवार, सिरोज विश्वकर्मा सहित समाज के अन्य सदस्य एवं सहयोगी मौजूद थे।

शिल्पी संस्था ने देश के शिल्पियों को किया नमन

विश्व केसरी ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। शिल्पी सांस्कृतिक संस्था जगदलपुर द्वारा निजी भूमि पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती भव्य रूप से मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक घोष अध्यक्ष मैत्री संघ थे। अध्यक्षता सुधीर मंडल संस्थापक सदस्य ने की। विशिष्ट अतिथि पीतांबर नायक पार्षद महाराजा वाई थे। मंच संचालक संजीव शील ने अतिथियों को मंच पर आने का आह्वान किया।

पारंपरिक रीति रिवाज के साथ महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया गया। परचात अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं फटे से किया गया। स्वागत भाषण संस्था अध्यक्ष दुर्शांत चक्रवर्ती ने दिया। महिला सदस्यों के अगुवाई में 'वैष्णव जन तो, तेने कहिए' भजन को सभी ने मिलकर गाया। शिक्षण क्षेत्र के वरिष्ठ सदस्य देवव्रत बराल ने महात्मा गांधी एवं इंद्राणी नंदी ने लाल बहादुर शास्त्री की जीवन पर प्रकाश डाला। प्रतिभा राय चौधरी ने संत कबीर का एक दोहा गाया एवं सभी दर्शकों का मन मोह लिया। सभी अतिथियों ने क्रमशः महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के सहल जीवन देश के प्रति उनके योगदान का जिक्र किया। संस्था के संस्थापक सुबीर नंदी ने माह नवंबर में संस्था की इसी निजी भूमि पर एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करने की जानकारी सभी को दी। अंत में आभार प्रदर्शन संस्था के महासचिव असीम गाइन द्वारा किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था कोषाध्यक्ष हरि माधव दास एवं सह सचिव शांतनु नाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अनुपमा शाह, गीता विश्वास, शेफाली सक्कारा, वनश्री भगत, साथी मुखर्जी, जय गोपाल बनसरी, संस्था के महासचिव कोषाध्यक्ष क्रीड़ा सचिव, अन्य सदस्य एवं नगर के प्रबुद्धज माता बहनें उपस्थित थे। यह जानकारी शिल्पी सांस्कृतिक संस्था जगदलपुर के अध्यक्ष दिशांत चक्रवर्ती ने दी।

बस्तर की बाढ़ पर सांसद महेश कश्यप की बड़ी पहल

पीएम राहत कोष से 500 करोड़ की विशेष सहायता, स्थायी बाढ़ नियंत्रण पैकेज की मांग

विश्व केसरी ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर में अतिवृष्टि और इंद्रावती नदी के उफान से पैदा हुई बाढ़ की स्थिति को लेकर सांसद महेश कश्यप ने केंद्र सरकार के समक्ष बड़ा राहत पैकेज रखने की मांग की है। सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर बस्तर, सुकमा और बीजापुर के प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास व क्षतिग्रस्त अधोसंरचना की मरम्मत के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 500 करोड़ रुपए की विशेष सहायता मांगी है। इसमें बस्तर के लिए 300 करोड़, सुकमा के लिए 100 करोड़ और बीजापुर के लिए 100 करोड़ रुपए शामिल हैं।

सांसद ने बताया कि बाढ़ से सैकड़ों गांव प्रभावित हुए हैं। बस्तर जिले में करीब 700 कच्चे-पक्के मकानों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा सड़क, पुल-पुलिया, खरीफ फसल, पशुधन और छोटे कारोबार भी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ विशेष राहत, बेघर परिवारों के प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान और आजीविका सहायता तथा पशुधन व दुकानदारों के नुकसान का मुआवजा डीबीटी से देने की मांग की है।

चिनारी में रामसप्ताह एवं रामधुनी आयोजन में शामिल हुए भाजपा पदाधिकारी

विश्व केसरी ■ चारामा (संदीप मेश्राम)। पितृ पक्ष के पावन अवसर पर क्षेत्र में धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में चारामा मंडल अंतर्गत ग्राम चिनारी में आयोजित रामसप्ताह एवं रामधुनी कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों ने शामिल होकर भगवान श्रीराम के प्रति अपनी श्रद्धा एवं आस्था प्रकट की।

कार्यक्रम के दौरान रामधुनी की मधुर धुन और भक्ति गीतों से पूरा ग्राम भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि रामधुनी एवं रामसप्ताह जैसे धार्मिक आयोजन हमारी संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों को जीवंत बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव एवं धार्मिक एकता की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष हेमेंद्र (बेटी) ठाकुर, जनपद अध्यक्ष जगेश्वरी भास्कर, मंडल महामंत्री संतोष नाहर, कारण निर्मलकर सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्वीकृति के बाद भी सड़क निर्माण अटका, ग्रामीणों ने सांसद से लगाई गुहार

विश्व केसरी ■ अंतागढ़ (डम्पी खान)। ग्राम पंचायत मंगतासरहेभाट के आश्रित ग्राम कालेंद्र नगर मंगतासरहेभाट से ग्राम पदबेड़ा तक स्वीकृत 3 किलोमीटर डामरीकृत सड़क एवं पुलिया निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से ग्रामीणों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग को आवेदन सौंपकर समस्या से अवगत कराया।

नाला पार करने ग्रामीणों ने खुद बनाया था लकड़ी का पुल - ग्रामीणों ने सांसद को बताया कि सड़क के साथ नाला पर पुल नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। पिछले वर्ष ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से लकड़ी एकत्र कर नाले पर अस्थायी लकड़ी का पुल तैयार किया था, ताकि गांव के लोगों और स्कूली बच्चों का आवागमन जारी रह सके। ग्रामीणों का कहना है कि यह अस्थायी व्यवस्था जोखिम भरी है और स्थायी पुलिया निर्माण की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही है।

सड़क के अभाव में एड़ानार, मसरपुर, किलोनार, मलमैड़ा, फुलबखारी और पदबेड़ा सहित करीब छह गांवों के ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में परेशानी होती है। राशन एवं जरूरी सामान लाने के अलावा आपात स्थिति में 108 और 102 एंबुलेंस को गांव तक पहुंचाने में भी दिक्कत होती है। गर्भवती महिलाएं, मलमैड़ा, मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

सांसद ने मौके पर बुलाया पीडब्ल्यूडी के एसडीओ - ग्रामीणों को समस्या सुनने के बाद सांसद ने लोक निर्माण विभाग के एसडीओ गोविन्द मिलिंद को मौके पर बुलाकर ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने सड़क और पुलिया निर्माण में हो रही देरी को लेकर अपनी परेशानी सामने रखी। इस पर लोक निर्माण विभाग के एसडीओ ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि कालेंद्र नगर से पदबेड़ा तक स्वीकृत सड़क एवं पुलिया निर्माण कार्य इसी माह के भीतर शुरू कर दिया जाएगा। एसडीओ के इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जल्द काम शुरू होने की उम्मीद जताई है।

शासन-प्रशासन की पहल के बाद भी नहीं बदली अंतागढ़ की सड़कों की तस्वीर

मद्रासी पारा की सड़कें बढहाल, विशाल गड्ढों से लोग परेशान; अंतागढ़-नारायणपुर मार्ग पर बसों का यातायात प्रभावित

विश्व केसरी ■ अंतागढ़ (डम्पी खान)। नगर में सड़क व्यवस्था को लेकर शासन-प्रशासन की ओर से लगातार पहल और अधिकारियों के निर्देश के बावजूद जमीनी स्थिति में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आ रहा है। नगर के मद्रासी पारा सहित कई इलाकों की सड़कें इन दिनों बदहाली का शिकार हैं। सड़कों पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढे लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना इन गड्ढों से होकर गुजरना पड़ रहा है।

गड्ढे भरने के बजाय गड्ढे ही बन गए परेशानी की पहचान - स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की स्थिति सुधारने के लिए कई बार प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। हालत यह है कि सड़क पर बने विशाल गड्ढे अब दुर्घटनाओं और परेशानी का कारण बन रहे हैं। लोगों में यह चर्चा भी है कि गड्ढों को भरकर सड़क सुधारने के बजाय मानो उन्हीं गड्ढों को जनाता के लिए समर्पित कर दिया गया हो।

अंतागढ़-नारायणपुर मार्ग पर बसों का यातायात प्रभावित - खराब सड़क का असर केवल स्थानीय आवागमन तक सीमित नहीं है। अंतागढ़-नारायणपुर मार्ग पर बसों का यातायात प्रभावित - बसों के संचालन में परेशानी होने से इस मार्ग पर सफर करने वाले यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों से अंतागढ़ आने-जाने वाले लोगों के लिए सड़क की खराब स्थिति रोजमर्रा की समस्या बन गई है।

निर्देश के बाद भी हालात जस के तस - बताया जा रहा है कि निर्माणाधीन सड़क को लेकर कलेक्टर से लेकर विधायक स्तर तक सड़क को सुचारु करने और आवागमन की व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद मौके पर स्थिति में कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं दे रहा है। प्रशासनिक निर्देशों के बाद भी यदि सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है तो इससे निर्माण कार्य की गति और गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

बारिश में कीचड़, अब धूल से परेशान लोग - बारिश के दिनों में यही सड़कें कीचड़ और जलभराव की समस्या से जूझती रहीं। लोगों को आवागमन के दौरान कीचड़ से होकर गुजरना पड़ा। अब बारिश का दौर थमने के बाद सड़क पर जमा मिट्टी और उखड़े हिस्सों से धूल का गुबार उठ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के समय कीचड़ से परेशानी होती है और अब सड़कें सूखने के बाद धूल ने मुश्किल बढ़ा दी है। धूल के कारण राहगीरों, दुकानदारों और सड़क किनारे रहने वाले लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

आखिर कब मिलेगी राहत ? - नगरवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण और सुधार कार्य को लेकर लगातार आश्वासन और निर्देश मिलते रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक राहत नहीं मिली है। लोगों की मांग है कि निर्माणाधीन सड़क को जल्द से जल्द व्यवस्थित तरीके से दुरुस्त किया जाए, बड़े गड्ढों को भरा जाए और आवागमन को सुरक्षित बनाया जाए। नगरवासियों के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इन बदहाल सड़कों से उन्हें कब राहत मिलेगी? शासन-प्रशासन के निर्देशों के बावजूद यदि सड़क की स्थिति में सुधार नहीं होता है तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है।

स्वावधिकारी गडबक्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड उल्ला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहवा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय **B-87A** गावडी नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उदात्तयौ)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होना) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakasari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. C.THIN/26/A6251